RNI:RAJHIN/2013/53539
Postal Regd. No. RJ/SRO/9662/2021-23
Licensed to Post without pre-payment
No. RJ/WR/WPP/18/2021

शिव आमंत्रण

सशक्तिकरण एवं सामाजिक सेवाओं का दर्पण

वर्ष-10, अंक-10, हिन्दी (मासिक), मार्च 2023, पृष्ठ 16, मूल्य- 12:50

होली की हार्दिक शुभ कामनाएं!

राष्ट्रपति बोलीं- 40 हजार ब्रह्माकुमारी बहनें भारत की सनातन संस्कृति आध्यात्म को दुनिया के 140 देशों में आगे बढ़ा रही

मां अपने बेटे को डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक के पहले अच्छा इंसान बनाएं

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने किया राष्ट्रीय पारिवारिक सशक्तिकरण अभियान का शुभारंभ

भौराकलां/गुरुग्राम/हरियाणा।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के भौराकलां स्थित ओम शांति रिट्रीट सेंटर में मूल्यनिष्ठ समाज की नींव महिलाएं सम्मेलन में राष्ट्रीय पारिवारिक सशक्तिकरण अभियान का शुभारंभ करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आह्वान किया कि माताएं अपने बेटे को डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक बनाने के पहले एक अच्छा इंसान बनाएं। हर मां को यह संकल्प करना चाहिए। अच्छा इंसान बनना आज समय की जरूरत है। कितनी भी भौतिक सुख-सुविधाएं, पैसा कमा लें लेकिन यदि जीवन में सुख-शांति, आनंद, प्रेम और पवित्रता नहीं तो सब व्यर्थ है। आज मुझे 'एम्पॉवरिंग द फैमिली' अभियान का शुभारंभ करते हुए बहुत प्रसन्नता हो रही है।

उन्होंने कहा कि भारत इस समय जी-20 समूह की अध्यक्षता कर रहा है। जी-20 के एजेंडा में महिला नेतृत्व विकास पर प्राथमिकता बनाए रखना शामिल है। मुझे विश्वास है कि भारत द्वारा जी-20 फोरम का उपयोग महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने और विश्व समुदाय में महिलाओं की समावेशी भूमिका को रेखांकित किया जाएगा।

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि परमात्मा ने हमें दो रास्ते दिए हैं एक है काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार, द्वेष, ईर्ष्या, नफरत का और दूसरा है सुख-शांति, आनंद, प्रेम, पवित्रता का। अब हमें तय करना है कि हम किस रास्ते को चुनना चाहते हैं। बता दें कि सम्मेलन के दौरान जब अंतरराष्ट्रीय मोटिवेशनल वक्ता बीके शिवानी दीदी ने राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया तो कुछ पल के लिए राष्ट्रपति अंतर्ध्यान हो गईं। मंच पर आने के पूर्व उन्होंने मेडिटेशन रूम में भी कुछ देर तक ध्यान किया। राष्ट्रपति ने दीप प्रज्ज्वलित कर अभियान का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में चार हजार से अधिक महिलाएं, कई देशों के राजदूत और अपने-अपने क्षेत्रों की जानी-मानीं हस्तियां मौजूद रहीं।

शेष पेज 2 पर जारी...

मैं इसे अपना घर, बाबा का घर समझती हूं...

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि मैं ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान को बहुत करीब से जानती हूं। मैं इस ईश्वरीय विश्व विद्यालय को मैं अपना घर, बाबा का घर समझती हूं। उन्होंने माउंट आबू का जिक्र करते हुए कहा कि साल की शुरुआत में ही वहां जाने का मौका मिला, वहां मुझे असीम ऊर्जा और शांति की अनुभूति हुई। भारत की समृद्ध और आध्यात्मिक विरासत में महिलाओं को यथोचित सम्मान और स्थान दिया गया था। हमारे वेदों, उपनिषदों, पुराणों और महाकाव्य में महिलाओं की स्तुति शक्ति, करुणा और ज्ञान के स्त्रोतों के रूप में की गई है। हमारी संस्कृति ने माता पार्वती, मां दुर्गा, माता सरस्वती, मां काली, मां लक्ष्मी का जीवन नैतिकता के संरक्षण के रूप में देखा गया है। इसी तरह मीराबाई, माधवी दासी जैसी नारियों को आध्यात्मिक शक्ति के रूप में पहचाना और सम्मानित किया जाता है। ऐसे अनेकों उदाहरण हैं जहां नारी ने अपनी बुद्धि, शक्ति और क्षमता से समाज में सम्मान प्राप्त किया है। महिला कैसे अपनी शक्ति से पुरुष के जीवन में प्रभाव छोड़ सकती है, इसका उदाहरण राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी हैं। गांधीजी की प्रेरणास्त्रोत उनकी पत्नी कस्तूरबा थीं। इसका उल्लेख उन्होंने कई बार किया है। उन्होंने अहिंसा का पाठ पत्नी से सीखा। आध्यात्मिक जीवन से दिव्य शांति और आनंद के द्वार खुलते हैं। इस शांति और आनंद की खोज माताएं अपनी परिवार में शुरू करें।

आध्यात्मिक जीवन से खुलते हैं दिव्य आनंद के द्वार

मुर्मु ने कहा कि आज प्रतिस्पर्धा का युग है। आज इंसान धन, शक्ति, प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा के पीछे भाग रहा है। आर्थिक रूप से मजबूत होने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन केवल पैसे के लिए जीने से यह जीवन व्यर्थ हो जाता है। सिर्फ धन के लिए भागते रहना निरर्थक है। इन्द्रियों का सुख और आंतरिक आनंद दोनों समान नहीं होते। आर्थिक प्रगति और भौतिक सम्पन्नता हमें सुख दे सकती है लेकिन आनंद और शांति नहीं दे सकते। आध्यात्मिक जीवन से दिव्य आनंद के द्वार खुलते हैं।

हरियाणा के राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय और केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह भी रहे मौजूद

माताएं बच्चों को आदर्श जीवन के बारे में बताएं

मुर्मु ने कहा कि हर परिवार एक आदर्श परिवार बन जाए तो समाज का स्वरूप अपने आप बदल जाएगा। बच्चों की पहली शिक्षक मां होती है। इन दिनों माताएं अपने बच्चों को एक आदर्श जीवन के बारे में नहीं बताती हैं। वो चाहती हैं कि बच्चा डॉक्टर, इंजीनियर या अधिकारी बने। लेकिन माताओं को चाहिए कि वो अपने बच्चों को सबसे पहले एक अच्छा इंसान बनने की प्रेरणा दें। बच्चों का डॉक्टर, इंजीनियर बनना अच्छी बात है, लेकिन वो समाज की, देश की सेवा करने के लिए पेशेवर बनें। धनोपार्जन को ही प्राथमिकता न बनने दें। यह बच्चों को माता ही सिखाएगी। मां गुरु भी है, मां ही सिखा सकती है कि जीवन में बड़ा होना

ब्रह्माकुमारीज़ ने मूल्यों को नारी शक्ति के केंद्र में रखा

राष्ट्रपति ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ ने मूल्यों को नारी शक्ति के केंद्र में रखा है। संस्थान ने भारतीय मूल्यों को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया है। यह संस्थान नारी शक्ति द्वारा संचालित विश्व का सबसे बड़ा संस्थान है। ब्रह्मा बाबा ने आज से 90 वर्ष पूर्व ही नारी की शक्ति और सामर्थ्य के लिए उचित स्थान दिया था। संस्थान की 40 हजार से अधिक बहनें दुनिया के 140 देशों में भारत की सनातन संस्कृति आध्यात्म को आगे बढ़ा रही हैं। महिलाओं को जब भी अवसर मिला है तो उन्होंने सिद्ध किया है कि वह पुरुषों से बेहतर प्रदर्शन कर सकती हैं।

शख्सियत

ब्रह्माकुमार भाई-बहनों का सेवाभाव दिल को छू लेने वाला है : साधना सरगम

हिंदी फिल्म जगत की मशहूर पार्श्व गायिका साधना सरगम से विशेष बातचीत

- अब तक 34 भाषाओं में 16 हजार से अधिक गीत गा चुकी हैं
- **40 साल से जारी है गायन**
- ब्रह्माकुमारीज़ के भी कई गीतों में दी है अपनी सुरीली आवाज

शिव आमंत्रण, आबू रोड

मैंने ब्रह्माकुमारीज़ के कई गीतों को अपनी आवाज दी है। गीत गाते-गाते मुझे यहां के ज्ञान की गहराई पता चली। इनकी वजह से ही बाबा को और उनके संदेश को जाना। साथ ही यहां समर्पित रूप से सेवाएं दे रहे ब्रह्माकुमार भाई-बहनों के निस्वार्थ प्यार-स्नेह, अपनापन, सेवाभाव ने दिल को छू लिया। जब मैं बाबा के गीत गाती थी तो उनमें खो जाती थी। इनसे ही मैंने परमधाम, लौकिक-अलौकिक आदि बातों को जाना। मेरी आध्यात्म में भी रुचि बढ़ गई। ब्रह्माकुमारीज़ में महिलाएं कहां से कहां तक पहुंच गई हैं। कितने लोगों को साथ लेकर चल रही हैं। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान महिला सशक्तिकरण का सबसे बड़ा उदाहरण है।

यह कहना है हिंदी फिल्म जगत की मशहूर पार्श्व गायिका 54 वर्षीय साधना सरगम का। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान में दिए एक विशेष साक्षात्कार में उन्होंने अपने जीवन से जुड़े अनुछुए पहलू और आध्यात्म से जुड़े अनुभवों को सांझा किया। साधना सरगम का जन्म 7 मार्च, 1974 को महाराष्ट्र के रत्नागिरी के दाभोल में हुआ था। सरगम का असली नाम साधना पुरुषोत्तम घाणेकर है। साधना शास्त्रीय गायक और संगीत शिक्षक नीला घाणेकर की बेटी हैं, उन्हें अपने घर से ही संगीत की प्रेरणा मिली। आपने चार साल की उम्र में गायिकी और शास्त्रीय संगीत सीखना शुरू कर दिया। पंडित जसराज से संगीत सीखा। वह बचपन से ही सिंगर बनना चाहती थीं। महज 4 साल की उम्र में साधना ने सवाई गंधर्व म्यूजिक फेस्टिवल में गाना गाया था।

छह साल की उम्र में दूरदर्शन के लिए 'सूरज एक चंदा एक तारे अनेक नामक गीत गाया, जो काफी पॉपुलर हुआ। आपको लता मंगेशकर अवार्ड से भी नवाजा गया है। साधना अब तक 34 भाषाओं में 16 हजार से अधिक गीत गा चुकी हैं। पहला नशा, पहला प्यार... गाने के बाद आप फेमस हुईं थीं। इस गाने को साधना ने सिंगर उदित नारायण के साथ मिलकर गाया था।

शांति की शक्ति लेकर जा रही हूं

उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ मुख्यालय शांतिवन में आना का सौभाग्य मिला। यहां मुझे अद्भुत शांति की अनुभूति हुई। शांति में जो शक्ति है वह सबसे बड़ी चीज है। मैं यहां से अपने जीवन में शांति की अनुभूति करके जा रही हूं। यहां आकर दिव्यता की अनुभूति हुई। सभी भाई-बहनें एक-दूसरे से इतने प्यार से मिलते हैं यह बड़ी बात है। यहां का पवित्र माहौल दुनिया में और कहीं नहीं मिल सकता है। यहां आकर जितना भी आध्यात्म को जाना है, पाया है वह मेरे लिए जीवन में बहुत है। मुझे राजयोगिनी दादी जानकीजी से एक बार मिलने का मौका मिला जो मेरे लिए अद्भुत क्षण था। ब्रह्माकुमारीज़ में साइंस और स्प्रीचुअलिटी का संगम देखने को मिला। मेरी मां ने ही मुझे संगीत की तालीम दी। मेरे गुरु कहते थे कि संगीत सिर्फ गाने और गुनगुनाने के लिए नहीं है यह तो ईश्वर से जुड़ने के लिए प्रेरित करता है। मेरे गुरु का भी संगीत और आध्यात्म के प्रति बहुत रुझान था।

सरगम ने ब्रह्माकुमारीज़ के इन गीतों को दी है आवाज

ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा निर्मित तुम तो यहीं कहीं बाबा मेरे आसपास हो..., याद तुम्हारी इतनी प्यारी, शीतल सी छत्रछाया है..., मैं तुझको नजर आऊं, तू ही मुझको नजर आए, है मन में यही भगवन प्यारी सी आशाएं..., स्नेह-प्यार की तुझसे बाबा बांधी है जीवन डोर..., यादें तुम्हारी बाबा देती सुकून दिल को... सहित सैकड़ों गीतों को आपने अपनी मधुर आवाज दी है।

राज्यपाल बोले- धर्मग्रंथों में की गई है

नारी की महिमा

भौराकलां/गुरुग्राम/हरियाणा

ब्रह्माकुमारीज़ के भौराकलां स्थित ओम शांति रिट्रीट सेंटर में आयोजित राष्ट्रीय पारिवारिक सशक्तिकरण अभियान में हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि भारत की संस्कृति और सभ्यता को दुनियाभर में फैलाने में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान का बड़ा योगदान है। समाज में नैतिक मूल्यों की स्थापना में महिलाओं की भूमिका अहम है। नारियों की प्रशंसा हमारे धर्मग्रंथों में भी की गई है। हमारी राष्ट्रपति भी आदर्शों की प्रतिमूर्ति हैं। आपका जीवन तपस्यामय है। आज महिलाओं को शिक्षित और स्वाबलंबी होने की आवश्यकता है। हम कितना भी पैसा कमा लें यदि मन शांत नहीं है तो ऐसा व्यक्ति सदाचारी नहीं बन सकता है। ब्रह्माकुमारी समाज ऐसी नारियों को तैयार करके विश्व में शांति फैलाने में लगा हुआ है।

बीके शिवानी दीदी ने कराया मेडिटेशन

प्रेरक वक्ता बीके शिवानी दीदी ने मेडिटेशन का अभ्यास कराते हुए कहा कि रोज अभ्यास करें कि मैं सर्वशक्तिमान परमात्मा की संतान शक्तिशाली आत्मा हूं। मैं स्वराज्य अधिकारी आत्मा हूं। मैं मास्टर सर्वशक्तिवान आत्मा हूं। मैं स्वर्णिम भारत, स्वर्णिम दुनिया का निर्माण करने वाली शिव की शक्ति हूं, मैं शिव की शक्ति हूं।

हरियाणा के मुख्यमंत्री ने की आगवानी

राष्ट्रपति के ओआरसी आगमन पर हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की आगवानी की। इस दौरान वह ध्यान कक्ष भी पहुंचे। जहां राष्ट्रपति ने कुछ देर ध्यान करने के बाद परमात्मा शिव बाबा को स्वयं भोग स्वीकार कराया। इसके बाद स्प्रीचुअल आर्ट गैलरी का अवलोकन किया।

इन्होंने भी व्यक्त किए विचार

- न्यूयार्क से पधारीं संस्थान की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका और यूएनओ में प्रतिनिधित्व करने वालीं बीके मोहिनी दीदी ने कहा कि 1982 में यूनाइटेड नेशन में संस्थान को शांति के लिए कार्य करने पर आमंत्रित किया गया। शांति और युद्ध दोनों तरह के विचार मन में ही आते हैं। हमारी मनोवस्था ही तय करती है कि हम कैसा निर्णय लेते हैं। अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका बीके जयंती दीदी भी मौजूद रहीं।
- संस्थान के अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन ने कहा कि भगवान महिलाओं के द्वारा भारत और पूरे विश्व को पुनः शक्तिशाली, संपन्न और स्वर्णिम भारत बनाने के लिए उनके सिर पर कलश रखा है।
- राष्ट्रपति ने माउंट आबू से पहुंची महिला विंग की मुख्यालय संयोजिका बीके डॉ. सविता दीदी और बीके शारदा दीदी को कलश सौंपा। साथ ही शिव ध्वज फहराकर अभिवादन किया। कार्यक्रम के पूर्व महिला विषय पर टॉक शो आयोजित किया गया। संचालन ओआरसी की निदेशिका बीके आशा दीदी ने किया।

आपका 'रेडियो मधुबन'
सुनते रहो, मुस्कुराते रहो

- 12 साल की यात्रा में सामुदायिक रेडियो स्टेशन रेडियो मधुबन ने बनाए कई कीर्तिमान
- सबसे बड़ी बात आरजे से लेकर टेक्नीकल स्टाफ तक सभी निःशुल्क रूप से दे रहे हैं सेवाएं
- ग्रामीणों से जुड़ी हर छोटी-बड़ी बातों के लिए सूचना का अहम सेतु बना रेडियो
- सामाजिक दायित्व निभाते हुए कई स्कूलों का किया कायाकल्प, प्रेरणा लेकर कई युवाओं ने छोड़ा नशा, अंधविश्वास और सामाजिक कुरुतियों को लेकर आई जागरुकता

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान

सामुदायिक रेडियो स्टेशन रेडियो मधुबन-90.4 एफएम आज सिरोही जिले में ग्रामीणों की आवाज बन गया है। 24 घंटे प्रसारित रेडियो मधुबन की गूंजती आवाज सुबह से लेकर रात तक घर-घर में नजर आ जाती है। स्थिति ये है कि आज ग्रामीणों के लिए मनोरंजन से लेकर मूल्य शिक्षा, सूचना और खेती-बाड़ी से जुड़ी हर छोटी-बड़ी जानकारी के लिए रेडियो मधुबन 'सामाजिक सेतु' का काम कर रहा है। वर्ष 2011 में बहुत ही छोटे स्तर पर इसकी नींव रखी गई थी। अपने 12 साल की यात्रा में सामाजिक रेडियो की दिशा में कई कीर्तिमान भी रचे। सबसे बड़ी खासियत है- कला, संस्कृति के साथ मूल्य शिक्षा के प्रति लोगों को सजग, सचेत और सशक्त बनाना। भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय से अधिकृत रेडियो मधुबन भारत का पहला मूल्य आधारित सामुदायिक रेडियो स्टेशन है। इसमें सेवा देने वाले फील्ड रिपोर्टर से लेकर आरजे (रेडियो जॉकी) और टेक्नीकल स्टाफ सभी निःशुल्क रूप से समाज कल्याण की भावना को लेकर सेवारत हैं।

एक नजर में रेडियो मधुबन

- 50 स्वयंसेवकों की टीम सेवा दे रही
- 07 लोग समर्पित रूप से सेवा में जुटे
- 1.2 लाख लोगों तक पहुंचती है आवाज
- 10 पुरस्कार अब तक प्राप्त हुए
- 101 लाइव इवेंट कवर किए गए
- 16 संस्थाओं के साथ एमओयू साइन किए
- 62 अलग-अलग तरह के शो प्रसारित
- 201 नाटकों का निर्माण अब तक किया गया
- 42 रेडियो जॉकी निःशुल्क सेवाएं दे रहे
- 3666 घंटे समुदाय में बिताए गए
- 68229 फोन कॉल 12 साल में प्राप्त हुए
- 20 हजार कॉल सालभर में आए
- 99342 एसएमएस अब तक प्राप्त हुए
- 10728 घंटे का कंटेंट निर्माण किया गया
- 16930 बच्चों को प्रत्यक्ष रूप से मिला लाभ
- 17244 महिलाएं रेडियो से सीधे रूप से जुड़ीं
- 18531 विशेष हस्तियों ने स्टूडियो में की शिरकत
- 36 कार्यक्रम गांवों में आयोजित किए गए
- 61 सामुदायिक परियोजनाओं का आयोजन
- 13678 साक्षात्कार अब तक रिकॉर्ड किए गए
- 110 गांवों को फील्ड में जाकर कवर किया

इन संकल्पों के साथ रेडियो मधुबन सेवारत

- **स्वयं सेवा:** रेडियो मधुबन की सारी टीम स्वयं सेवकों की है। जो दिन-रात समाजसेवा, समाज कल्याण के भाव से उमंग-उत्साह, जोश और जुनून के साथ निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ते जा रहे हैं।
- **विविधता:** स्थानीय कला एवं संस्कृति को बढ़ावा देने, सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने, समाज में सामाजिक सौहार्द्र का माहौल बनाने, मूल्यों के प्रचार-प्रसार, सकारात्मक प्रेरणा, शिक्षा और स्वास्थ्य के साथ स्वस्थ मनोरंजन की दिशा में प्रत्येक वर्ग के लिए अनेक कार्यक्रमों का प्रसारण निरंतर जारी है।
- **अखंडता:** कामों में मौलिकता और ईमानदारी को प्राथमिकता में रखते हुए लोगों को मूल्यनिष्ठ जीवन जीने के प्रति प्रेरित करना रेडियो मधुबन का अहम प्रयास है।
- **रचनात्मकता:** रेडियो मधुबन की सबसे बड़ी विशेषता है पूरी टीम के रचनात्मक कार्य। फिर वह चाहे गांव-गांव जाकर महिलाओं में मूल्यनिष्ठ स्पर्धा कराना हो, महिला खेलकूद, बच्चों के लिए स्पर्धा, महिला मैराथन ऐसे कई कार्यक्रमों के कारण आज हर जुबां पर रेडियो मधुबन गूंज रहा है।
- **टीम वर्क:** कई गांवों में महिलाओं के छोटे-छोटे समूह बनाकर सैकड़ों महिलाओं को अधिकारों के बारे में जागरूक किया है। बच्चों में नैतिक शिक्षा के लिए कई कार्यक्रम चलाए जाते हैं। टीम वर्क के साथ इन कार्यों को किया जाता है और अच्छे परिणाम भी मिल रहे हैं।

इन भाषाओं में प्रसारण

रेडियो मधुबन 90.4 एफएम पर हिंदी, अंग्रेजी, गुजराती, मारवाड़ी और कुछ आदिवासी भाषाओं में भी शो सुने जा सकते हैं। टीम ने श्रोताओं के हितों और प्रसारण द्वारा सार्थक संदेश फैलाने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए स्थानीय भाषाओं शिक्षा, लैंगिक समानता, कला और संस्कृति, स्वास्थ्य, युवावस्था, विविधता, समाज, सकारात्मक जीवन आदि विषयों पर कई शो तैयार किए गए हैं।

अब तक मिले पुरस्कार-सम्मान

- **2014:** सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा थीमेटिक श्रेणी में राष्ट्रीय सामुदायिक रेडियो पुरस्कार।
- **2015:** माउंट आबू नगर निगम द्वारा सर्वश्रेष्ठ सामुदायिक प्रसारण पुरस्कार और इंडिया सस्टेनेबिलिटी लीडरशिप समिट एंड अवार्ड ने पर्यावरण और सामुदायिक नेतृत्व में उत्कृष्ट कार्य पर सम्मानित किया। डिजिटल एम्पॉवरमेंट फाउंडेशन ने शीर्ष तीन फाइनलिस्ट के रूप में नामित कर मंथन पुरस्कार से सम्मानित किया।
- **2016:** सूचना प्रसारण मंत्रालय द्वारा जनजातीय अधिकारों और लोकतंत्र पर जागरूकता को लेकर चलाए गए हमारी सरकार हमारे अधिकार कार्यक्रम के लिए राष्ट्रीय सामुदायिक रेडियो पुरस्कार से सम्मानित किया गया। साथ ही राजस्थान सरकार की ओर से सत्य नारायण आचार्य, अनुविभागीय अधिकारी, कोटरा, उदयपुर ने आरजे विनोद को आबू और आसपास के गांवों में मौताना प्रथा के बारे में जागरूकता लाने के लिए सम्मानित किया।
- **2018:** सूचना प्रसारण मंत्रालय द्वारा कम्युनिटी एंगेजमेंट श्रेणी में आदिवासी स्कूल जाने वाले बच्चों के कौशल और प्रतिभा में सुधार के लिए चलाए गए नन्हें सितारे शो के लिए राष्ट्रीय सामुदायिक रेडियो पुरस्कार से सम्मानित किया गया। साथ ही संस्कृति को बढ़ावा देने, विभिन्न सामाजिक-सांस्कृतिक रीति-रिवाजों और सदियों पुरानी परंपराओं को साझा करके नई पीढ़ी को विरासत और सांस्कृतिक से जोड़ने के लिए आपणों समाज शो के लिए सम्मानित किया गया।
- **2019:** सूचना प्रसारण मंत्रालय द्वारा स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए गांव री बातें शो के लिए राष्ट्रीय सामुदायिक रेडियो पुरस्कार से नवाजा गया। कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान इंटरनेट का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए स्थानीय प्रतिभाओं के लिए ऑनलाइन संगीत कार्यक्रम आयोजन किए गए। इसमें आरजे रमेश को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में स्थान मिला और सम्मानित किया गया।

इन कार्यक्रमों से जन की आवाज बना रेडियो

- **सुप्रभात:** श्रोताओं को दिन की सकारात्मक शुरुआत करने में मदद करता है।
- **नई किरण:** स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा देने, ऐतिहासिक घटनाओं और त्योहारों के बारे में सूचना दी जाती है।
- **आशियाना:** कानूनी अधिकारों, प्रावधानों, खाना पकाने, हाउस कीपिंग, स्वास्थ्य और सौंदर्य, प्रौद्योगिकी सहित अन्य मुद्दों के बारे में बात की जाती है। शो में विशेषज्ञों को बुलाकर श्रोताओं से प्राप्त प्रश्न और कॉल के जरिए समाधान करते हैं।
- **उड़ान:** मनोरंजक शो बच्चों के लिए क्विज, पहेलियां, चुटकुले, मूल्य आधारित कहानियां-कविताएं प्रस्तुत की जाती हैं।
- **सफर:** पसंदीदा गाना-गाने, सुनने के लिए मंच प्रदान करना।
- **युवा मंच:** युवाओं के लिए सामाजिक मुद्दों के बारे में अपने विचारों को आवाज देने, संस्कृति और देश के लिए अपनी दृष्टि, अपने सपनों और आकांक्षाओं को साझा करने का एक मंच है।
- **जियो जिंदगी:** खेल और प्रौद्योगिकी में नवीनतम अपडेट। नए विचारों को अपनाने के लिए प्रेरित करना। आरजे युवाओं की सफलता की कहानियां, नौकरी के अवसर साझा करता है और लीक से हटकर सोचने, सपने देखने के लिए प्रोत्साहित करता है।
- **मेरा गांव मेरा आंचल:** स्थानीय लोगों को आवाज देने, विचारों को साझा करने और श्रोताओं के साथ जीवन में सामना करने वाले किसी भी मुद्दे को साझा करने में मदद करता है।
- **खुशी के नगमे:** पसंद के संगीत का आनंद लेने के लिए शो।
- **बच्चों की दादी:** श्रोताओं को दादा-दादी की कहानियां और उनके प्यार का स्वाद देने के लिए कहानियां, कविताएं, लोरी।
- **अमृत धारा:** संस्कृति और पौराणिक कथाओं की पड़ताल करता है। आरजे की जोड़ी परंपराओं के बारे में चर्चा करती है।
- **मॉर्निंग आबू:** महत्वपूर्ण घटनाओं के बारे में जानकारी देना।
- **अंताक्षरी:** इसमें आरजे ऊषा हर हफ्ते महिलाओं के साथ अंताक्षरी खेलने समुदाय में जाती हैं। गांवों में खेल के दौरान गाने रिकॉर्ड करती हैं। लाइव अंताक्षरी गेम के साथ प्रसारित करते हैं।
- **सफर:** शख्सियतों प्रेरणादायक कहानियां बताई जाती हैं।
- **इनका भी प्रसारण:** कॅरियर जागरूकता, सलाम-ए-जिंदगी, नई दुनिया जैसे साप्ताहिक कार्यक्रमों का भी प्रसारण जारी है।

सामाजिक दायित्व निभाने में भी दो कदम आगे

रेडियो मधुबन की टीम रेडियो शो के साथ-साथ फील्ड में जाकर सामाजिक दायित्व निभाने में भी आगे है। फिर बात चाहे शासकीय स्कूलों में क्लास रूम के कायाकल्प की हो या आदिवासी स्कूली बच्चों को ड्रेस, स्वेटर, जूते वितरित करने की। हर कार्य में टीम ने बढ़-चढ़कर अपनी जिम्मेदारी निभाई है। ग्रामीणों के लिए कंबल वितरण, हॉस्टल के लिए गीजर, ऑडियो सिस्टम, खेल सामग्री, किताबें और स्टेशनरी के रूप में भी आर्थिक मदद की गई है।

रियल लाइफ **प्रजापिता ब्रह्मा बाबा, संस्थापक,** प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय

...और जवाहरलाल नेहरू से की बहनों ने मुलाकात

शिव आमंत्रण, आबू रोड।

यदि वह इस प्रकार सभी को मिलने का समय दें तब तो वे कोई काम ही न कर सकें। अतः हमारे लौकिक संबंधी हमारे उस संकल्प को असंभव मानकर टाल देते। हमने तो उन्हें अपने साथ इसलिए चलने के लिए कहा था कि हम देहली में पहली बार आई थीं और देहली के रास्तों से परिचित न थीं।

खैर, जब हमने अपने संबंधियों का उत्साह वर्धक रुख न देखा तो प्रभु का आसरा लेकर स्वयं ही नेहरू जी से मिलने निकल पड़ी। बाबा ने नेहरू जी को एक ग्रामोफोन रेकार्ड और कुछ साहित्य ईश्वरीय सौगात के रूप में देने के लिए हमें आदेश दिया था। अतः हमने सोचा कि हम प्रभु प्रेरणा के अनुसार ही तो प्रभु संदेश देने जा रही हैं, अतः चलो हम चलती हैं। आखिर हम तीन मूर्ति भवन में जा पहुंचीं। हमें उनसे मिलने का समय दिया गया। पहले हम इंदिरा जी से मिलीं। उन्होंने हमसे पूछा कि यह ईश्वरीय यज्ञ भारत की क्या सेवा कर रहा है, वहां कितनी माताएं रहती हैं, क्या ज्ञान मिलता है, आदि-आदि। हमने उन्हें ईश्वरीय संदेश और माउंट आबू में यज्ञ में पधारने का निमंत्रण व साहित्य दिया, फिर हमें नेहरू जी से मिलाया गया। उन्हें हमने ईश्वरीय साहित्य और निमंत्रण के अतिरिक्त वह रिकार्ड भी दिया। उस रिकार्ड में यज्ञ माता सरस्वती जी का एक दिव्य प्रवचन भरा हुआ था, जिसमें वर्तमान समय की पहचान, परमपिता परमात्मा द्वारा हो रहे ईश्वरीय कर्तव्य आने वाले महाविनाश, जीवन में पवित्रता की आवश्यकता आदि पर प्रकाश डाला गया था। हमने उस मुलाकात में उन्हें वह रिकार्ड देते हुए उसमें भरे संदेश का सार बताया।

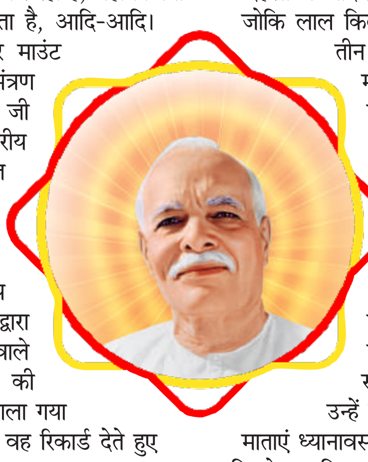

देहली में चांदनी चौक के प्रसिद्ध 'गौरीशंकर मंदिर, जोकि लाल किले के निकट है, वहां भी हमारे दो-तीन भाषण हुए। मंदिर के सेक्रेटरी ने हमें मंदिर में, ऊपर एक कमरा निवास के लिए और आने वाले जिज्ञासुओं से ज्ञान वार्तालाप के लिए दिया था। जिन दिनों हम वहां ठहरी हुई थीं, उन दिनों मंदिर में आने वाली माताएं पूजा करने के बाद ऊपर हमारे पास आतीं थीं। उन्हें जब ईश्वरीय ज्ञान सुनातीं तो उन्हें बहुत ही आनंद मिलता। पुरुष भी आते थे। हम सभी नर-नारियों को ईश्वरीय स्मृति में अर्थात् योग में बिठाती थीं। उन्हें बहुत शान्ति अनुभव होती थीं। कुछ माताएं ध्यानावस्था में चली जाती थीं। उन्हें कलियुगी सृष्टि के महाविनाश और सतयुगी सृष्टि की स्थापना के दिव्य साक्षात्कार भी हुए। कभी-कभी ज्ञान की प्यासी उन माताओं को घर लौटने में कुछ थोड़ी देर भी हो जाती थी। वे घर वालों को आत्मिक नशे में दिखाई देतीं। उनके घर वालें उन्हें डांटते-डपटते भी थे। जिस किसी को साक्षात्कार हुआ होता था, वह अपने परिवार वालों को अपना अनुभव सुनाती थी। परन्तु उनके कुटुम्बी कहते- 'यह भोली माता है। इसे किसी ने जादू लगा दिया होगा। अरे, साक्षात्कार होना क्या ऐसी मामूली और सहज बात है। घोर तपस्या करने पर ऋषियों-मुनियों को भी साक्षात्कार नहीं हुए। वे उन पर जादू हुआ मान कर उन्हें मन्दिर में न जाने देते और यदि वे हठ करती तो उन्हें मारते- पीटते थे। कुछ पुरुष यह देखने चले आते थे कि यहां कैसा जादू है। परन्तु जब वे सम्मुख आकर ज्ञान सुनते और वातावरण देखते तब वे समझ जाते कि इन बहनों का जीवन उच्च और प्रभावशाली है। यह ज्ञान जीवन में पवित्रता के लिए प्रेरणा देने वाला और प्रभु से प्रीति पैदा करने वाला है। जो सम्मुख आकर ज्ञान न सुनते, वे भ्रान्तियों में ही पड़े रहते। (क्रमशः)

अव्यक्त इशारे **राजयोगिनी दादी हृदयमोहनी (गुलजार),** पूर्व मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़

बाबा ने पहले एकता का पाठ पक्का कराया

शिव आमंत्रण, आबू रोड।

जब हम आप दादियों का स्नेह देखते हैं उसके आधार पर हम सबको बाबा के नज़दीक आने का भाग्य मिलता है तो हम आपस में कैसे तरीका अपनाएं ताकि आपस में यह प्यार एक-दूसरे को दे सकें, ले सकें?

हम लोगों का आपस में भी प्यार है और आपसे भी बहुत प्यार है। बाबा प्यार का सागर है, हम लोगों ने प्रैक्टिकल में शिव बाबा और ब्रह्मा बाबा के प्यार का अनुभव किया है। हम आपस में भी शुरू से ही प्यार से रहे हैं। क्योंकि हम सबको बापदादा ने यही शिक्षा दी कि बच्चे आप लोगों के ऊपर बहुत बड़ी जिम्मेवारी है। विश्व में यह जो भिन्नता है, भिन्न-भिन्न धर्म, जाति, रंग हैं, संस्कार भिन्न-भिन्न हैं, इस भिन्नता को मिटाने की जिम्मेवारी बाबा ने हम सब पर रखी। यह लक्ष्य बाबा ने हमको शुरू से ही दिया, भिन्न-भिन्न हैं और रहेंगे लेकिन तुम्हारी जिम्मेवारी है सबको मिला के एक जैसा बाप समान बनाना।

जो बच्चा आज्ञाकारी होता है उसको अंदर ही अंदर बाप की दुआएं मिलती रहती हैं। वही सूक्ष्म दुआएं उनकी पालना का आधार बन जाती हैं। बाबा ने आते ही हम सबको यह कहा कि तुम सब बच्चे भिन्न-भिन्न वृक्ष की, भिन्न- भिन्न टालियों की शाखाएं आई हो लेकिन मेरे को ही तुम बच्चों को एक चन्दन का वृक्ष बनाना है। हमको बाबा ने पहले ही यह एकता का पाठ पक्का कराया है कि तुम सब एक हो, एक बाबा के हो और यह एकता ही विश्व का परिवर्तन करेगी। तो यह बाबा के जो शब्द हैं वह बचपन से ही हम लोगों के कानों में सदा गूंजते हैं कि एक के हैं, एक होकर रहना है और एकता हमारा स्वधर्म है।

शुरू से ही हम दादियों का आपस में बहुत स्नेह रहा है। बाबा की दिल की दुआएं जैसे लिफ्ट मिलती है। अपने पुरुषार्थ की मेहनत नहीं लेकिन एक लिफ्ट के रूप में मदद मिलती रही है। उसी आधार से हम आगे बढ़े हैं। सेवा में अलग होते हुए भी हम यह पाठ कभी नहीं भूले हैं। हमने देखा है कि संस्कार तो सबके एक जैसे नहीं हो सकते हैं।

थोड़ा फर्क तो रहता ही है और विचार भी एक जैसे नहीं होते लेकिन हम उस भिन्नता में नहीं जाते, ऐसे कोई भी नहीं कहते कि मेरा विचार ही ठीक है। हम देखते हैं कि सर्विस में किस विचार से सफलता है? हमारे सामने बाबा और बाबा की सेवा है। बाबा ने हमको क्या पाठ पढ़ाया है और सेवा में सफलता किन विचारों के आधार पर होती है? बाबा सामने आने से विचार भिन्न होते भी कभी हम लोगों की आपस में डिस्कसन नहीं चलेगी, जिस कारण से टाइम वेस्ट नहीं होता। एक-दो के विचारों की आपस में लेन-देन करते, रिगार्ड देके जो मैजारिटी फाइनल हो जाता है उसमें हम फिर हां जी, हां जी करते हैं। डिस्कस नहीं करते हैं कि मैं समझती हूं मेरा ही विचार अच्छा है, यही होना चाहिए। इसमें हम नहीं जाते हैं।

बाबा सामने आने से डिस्कसन खत्म हो जाती है। जो मैजारिटी का संकल्प है, उसको प्रैक्टिकल करने में सब एक-दो के सहयोगी बन जाते हैं। सर्व के सहयोग से जो भी यज्ञ में कारोबार चलते हैं, हर कार्य में सफलता बहुत सहज होती है। क्योंकि हम बाबा को सामने रखते हैं। आपस में विचारों की, संस्कारों की भिन्नता होते भी हम सब मन-बुद्धि से एक हैं। बाबा को सामने रखने से एक हो जाते हैं और जहां एकता है, संगठन है वहां सफलता है ही है। (क्रमशः)

प्रेरणापुंज **राजयोगिनी दादी जानकी,** पूर्व मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़

स्नेह से रहें और एक-दूसरे को सहयोग दें, सहज हो पुरुषार्थ

शिव आमंत्रण, आबू रोड।

उमंग-उत्साह से कहेंगे दे दो, यह नहीं कि देना ही पड़ता है। नहीं। जो भी हमारे संबंध संपर्क में आए वह भरपूर होकर जाए। जो बाबा ने कहा - ब्राह्मणों को ज्ञान नहीं दो परन्तु उन्हें अपनी श्रेष्ठ कम्पनी का सहयोग दो। आपस में ऐसा स्नेह हो जिस शक्ति से हम समीप आ करके बहुत सीखते हैं। यहां बाबा के जितने भी पुराने बच्चे आते हैं, ज्ञान तो सबके पास है और सेवा भी करते हैं तो यहां कौन सी शक्ति मिलती है? संगठन की, वातावरण की। यहां पांव रखते ही अपने ऊपर ध्यान चला जाता है। वहां अपने पर ध्यान नहीं होता है। यहां औरों पर ध्यान रखेंगे तो लगेगा टाइम वेस्ट किया। वहां कहेंगे अपने लिए टाइम नहीं मिलता है। यहां यह नहीं कहेंगे, टाइम नहीं मिलता है।

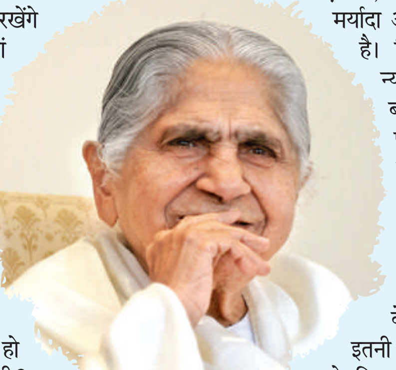

अपनी जिम्मेवारी संभालते हुए भी अपनी उन्नति के लिए टाइम देना है क्योंकि समय जो कहता है वह हमारे स्वरूप के लिए है। समय और स्वरूप। समय अनुसार हमारा स्वरूप इतना सम्पूर्ण न हो तो दूसरों को पालना क्या मिलेगी? अगर कमी वाला मेरा स्वरूप है तो हम राइट और एक्यूरेट सेवा नहीं कर सकते हैं? बोल-चाल में मधुरता और सरलता नहीं आई है तो यहां आके क्या किया? अपने निजी स्वरूप में सम्पूर्णता हो यह हम आप सभी की जिम्मेवारी है। मम्मा बाबा में आदि से अंत तक पुरुषार्थी लाइफ और सम्पूर्णता का स्वरूप साथ-साथ देखा है। मम्मा जब भी मिलती थी तो मम्मा का हाथ पकड़ो तो लगता था जैसे सकाश मिल रही है, खुशी मिल रहीं है। इतनी ताकत थी मम्मा के हाथ में, वह स्पेशल हाथ था। तो हमारे में रमणीकता तब आती है जब हम खुश रहते हैं। खुश रहने का भाग्य है, खुशी बांटना है, खुशी को ज्ञान जैसा नहीं बांटा जा सकता है। ज्ञान मुख से सुनाया जाता है, खुशी - दिल से, सच्चाई से, रहम से दिखाई पड़ती है। एक दो को आगे बढ़ाते हुए देख उनको और आगे बढ़ने में साथ देते हैं। जितना एक-दो को साथ देते हैं तो लगता है कि दे नहीं रहें हैं लेकिन हम सब एक हैं, साथी हैं।

बाप का बल अलग है, स्वयं के पुरुषार्थ का बल अलग है लेकिन एक दो के साथ का बल तीनों में समान है। बाबा का साथ तो हम अपने लिए पकड़ सकते हैं, पकड़ना ही है। एक बाप दूसरा न कोई। हम श्रेष्ठ ब्राह्मण आत्माएं तब बनते हैं जब सबको साथ देने में सच्ची और खुली दिल है। इसके लिए कभी किसी की भी कमी को जरा सा टच नहीं करो। आंख देखे भी नहीं, कान सुने भी नहीं, मुख बोले नहीं, यह हमारा अपने ऊपर न सिर्फ कन्ट्रोल है परन्तु यह शोभता नहीं है। कन्ट्रोल करना माना कुछ है तब तो कन्ट्रोल करना पड़ता है, यह शोभता नहीं है। हमारे कुल मर्यादा अनुसार यह ठीक नहीं लगता है। फिर हमारा बाबा देखो कितना न्यारा और प्यारा है। पढ़ाई भी बहुत मीठी पढ़ाता है, उस पढ़ाई में तो बुद्धि चलानी पड़ती है। बुद्धि में अनेक बातें रखनी पड़ती हैं। इस पढ़ाई में शांत बुद्धि से पढ़ने वाले को प्रेम से याद करना है। मुख से न बोलें परन्तु चेहरा बाप के गुणों का गायन करता रहे। इतनी मीठी पढ़ाई है जो सारे कल्प के लिए कमाई कराने वाली है। कितने हम गिरे हुए थे, अभी उड़ते-उड़ते कहां पहुंच रहे हैं। इतना ऊंचा जा रहे हैं जो बाबा और हम एक-दो को देखते रहें। देखते-देखते अंदर की शान्ति और प्रेम में खो जाएं। जब ऐसी स्थिति हमारी नेचुरल होती जाए तो दूसरे सब संकल्प और संस्कार मर्ज हो जाएंगे। मूलवतन वाली स्थिति अभी हो जाए। आत्मा अन्दर निजी स्वरूप में रहने से, सॉल कॉन्सेस रहने से शांत है, शांति के साथ शक्ति भी है। रूखी शांति नहीं, शांति के साथ प्रेम भी है। इससे परमात्मा से गहरा कनेक्शन ऑटोमैटिक हो जाता है। जोड़ना नहीं पड़ता है। पढ़ाई का टोटल मतलब है-हम पढ़ते-पढ़ते स्मृति स्वरूप रहें, इसलिए बाबा रोज पढ़ाता रहता है। अच्छी तरह से स्वदर्शन चक्र फिराओ, जिन्न के मुआफिक। जिन्न का मिसाल इसीलिए देते हैं कि उसने कहा काम दो, नहीं तो मैं तुमको खा जाऊंगा। बाबा भी कहते-सदा स्वदर्शन चक्र फिराते रहो, नहीं तो माया खा जाएगी।

खुद को भाग्यशाली समझती हूं कि इस जीवन में हमें परमात्मा मिल गए। सृष्टि परिवर्तन के कार्य के लिए हमें चुना। विश्व कल्याण की भावना को लेकर समर्पण का निर्णय लिया।
- बीके अभिलाषा (38), एमबीए (एमएसडब्लू), एमएससी, राजयोग भवन, भोपाल

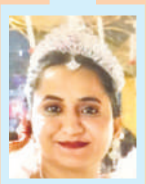
मुझे जिसे लक्ष्य की खोज थी वह यहां आकर पूरी हुई। मेडिटेशन टीचर बनकर समाजसेवा करना चाहती हूं, इसलिए ब्रह्माकुमारीज में समर्पित होने का निर्णय लिया।
- बीके वंदना (34), एमएससी, बीएड, पीजीडीसीए, पीजी डिप्लोमा (वैल्यु एजुकेशन), भोपाल

इस ज्ञान को लेने के बाद जीवन में आत्मिक संतुष्टि और खुशी की अनुभूति हुई। भगवान को हमने नहीं, भगवान ने हमें चुना है। ईश्वरीय कार्य में सहयोग करना भाग्य की बात है।
- बीके सरिता (33), एमएससी, बीएड, पीजीडीसीए, दस साल शिक्षिका और नेटवर्क मार्केटिंग का अनुभव, भोपाल

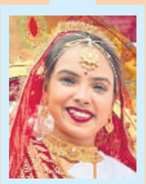
सादगी, ईश्वर के प्रति समर्पित भाव, विश्व कल्याण की भावना और पवित्रता। इस ईश्वरीय ज्ञान को स्वीकार करने के लिए आकर्षण का केंद्र रही और ब्रह्माकुमारी बन गई।
- बीके खुशबू (27), एमबीए, (फाइनेंस, मार्केटिंग) बैरागढ़, भोपाल

हर लड़की को अपना वर चुनना होता है जो सच्चा, निडर हो और उसका रुतबा हो इसलिए परमात्मा से सच्चा कोई नहीं। इसलिए वर के रूप में परमात्मा शिव को चुना।
- बीके आकृति, (32), बीकॉम, एमबीए, पन्ना

भोपाल में 23 बेटियों ने ब्रह्माकुमारीज़ से जुड़कर अपना जीवन समाजसेवा के नाम समर्पित किया, दो दिवसीय दिव्य अलौकिक समर्पण समारोह में प्रदेशभर से जुटे ब्रह्माकुमार भाई-बहनें

मैं शिव की शक्ति हूं

बेटी। बेटी घर की शान, माता-पिता का अरमान और खुशियों की खान होती है। हर माता-पिता का अरमान होता है कि उनकी बेटी को सुंदर, शिक्षित, संस्कारित, सुयोग्य वर मिले। लेकिन वह मात-पिता भाग्यशाली नहीं सौभाग्यशाली होते हैं जिनके घरों में ऐसी बेटियां जन्में जो वर के रूप में तीनों लोकों के स्वामी, त्रिलोकीनाथ, त्रिनेत्री परमात्मा शिव को ही जीवनशाली बना लें। परमात्मा की शिक्षाओं को धारण कर त्याग-तपस्या की कठिन राह पर चलने का दृढ़ संकल्प लें। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के जोनल मुख्यालय राजयोग भवन, भोपाल में दो दिवसीय दिव्य अलौकिक समर्पण समारोह आयोजित किया गया। इसमें 23 बेटियों ने परमात्मा शिव को वरमाला पहनाकर जीवनसाथी के रूप में स्वीकार किया। माता-पिता ने खुशी-खुशी अपनी लाड़लियों का हाथ संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी संतोष दीदी, जोनल निदेशिका राजयोगिनी अवधेश दीदी के हाथों में सौंपा। इसके साथ ही ये बेटियां कुमारी से ब्रह्माकुमारी बन गईं।

परमात्मा का सबसे श्रेष्ठ ज्ञान दिल को भा गया। फिर हमें समझ आया कि भगवान को एक जन्म समर्पण कर देने से हमें अगले जन्मोंजन्म की श्रेष्ठ पद की प्राप्ति होती है। इसलिए, संयम की यह कठिन राह चुनी।
- बीके रमा, (40), एमकॉम, एलएलबी, भोपाल

संसार में पति को परमेश्वर मानते हैं, वो कब तक साथ देगा। जीवनभर का साथ केवल परमात्मा ही दे सकते हैं। मैं खुद को भाग्यशाली समझती हूं कि साथी रूप में परमात्मा ही मिल गए। यह ज्ञान हमें महान कर्म करने की प्रेरणा देता है।
बीके निकिता, (27), एमबीए, पोरसा, मुरैना।

महिलाओं के कल्याण के लिए आश्रम खोलने का संकल्प था। बचपन से मन में भाव रहता था कि मुझे सभी को सुख देना है। समाज कल्याण के इसी उद्देश्य के कारण ब्रह्माकुमारी बन गई।
- बीके अंजना, (37), बीएससी, पीजीडीसीए, बीएससी (नर्सिंग), सतना

बचपन से ही आध्यात्मिक ज्ञान, मेडिटेशन से जुड़ाव रहा। परमात्मा और दीदियों का प्यार-स्नेह मिला। दुनिया के श्रेष्ठ दूल्हा की चाह में भगवान शिव को समर्पित कर दिया। अब यह जीवन शिवबाबा की अमानत है।
-बीके भावना, (29), एमकॉम, ग्वालियर

ब्रह्माकुमारीज के संपर्क में आई तो बहनों की सादगी, पवित्रता अच्छी लगी। ध्यान में अलौकिक आनंद की अनुभूति होती। बचपन से पवित्रता जीवन जीने का स्वप्न था, आज जाकर उसे आकार मिला। बहुत खुश हूं।
- बीके नेहा, (28), बीएससी, बसई, झांसी

पिता फौज में है उनकी प्रेरणा से देशभक्ति का भाव बचपन से था। मेरा सपना था कि ब्रह्मचर्य व्रत का पालन करते हुए देश और समाज की सेवा करना है। वास्तव में ब्रह्माकुमारी बनकर सही मायनों में सच्ची सेवा कर सकते हैं, इसलिए समर्पित हुई।
- बीके मोनिका, (24), एमकॉम, अलीगढ़, उप्र

परमात्मा का प्यार दीदियों की पवित्रता, निःस्वार्थ प्यार अच्छा लगा। राजयोग से खुद के शक्ति स्वरूप होने का एहसास होता है और मानवता के प्रति कल्याण का भाव स्वतः आ जाता है। शिवबाबा को जीवन साथी बनाकर खुश हूं।
- बीके संगीता, (23), बारहवीं, चंदेरी, मप्र

यहां की आध्यात्मिक शिक्षा, दीदियों की पालना, योग और पवित्रता ने मुझे बहुत आकर्षित किया। देशभक्ति और समाजसेवा के भाव ने समर्पित होने के लिए प्रेरित किया। किसी को ईश्वर से जोड़ देना दुनिया की सबसे बड़ी समाजसेवा है।
- बीके सुधा, (23), बारहवीं, चंदेरी

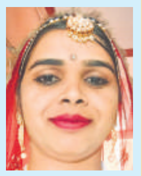
इस ज्ञान में मुझे पवित्रता, ज्ञान सुनना-सुनाना बहुत अच्छा लगता है। आत्मा-परमात्मा का सही और सच्चा ज्ञान मिला। मैं हमेशा सोचती थी कि विश्व का कल्याण कैसे कर पाएंगे। इस संकल्प के कारण समर्पित हो गई।
- बीके अर्चना, (30), बारहवीं, सागर/ग्वालियर

इस ज्ञान में भगवान और अलौकिक परिवार के प्यार ने आकर्षित किया। परमात्मा का ध्यान ही जीवन का सार है। कोरोना महामारी के बाद जीवन में वैराग्य आया और संयम के मार्ग पर चलने का फैसला किया।
- बीके शालू, (27), बारहवीं, गंजबासौदा, विदिशा

बेटियों के त्याग-समर्पण की कहानी, उनकी ही जुबानी...

इस ज्ञान को लेने के बाद लगा कि जीवन में जो आध्यात्म की तलाश थी वह पूरी हो गई है। राजयोग मेडिटेशन ने आकर्षित किया और संयम के मार्ग पर चलने का फैसला किया।
- बीके नेहा, (25), दसवीं, सागर

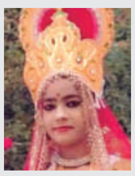
सेवाकेंद्र का पवित्र वातावरण, दीदियों का प्यार, स्नेहमय व्यवहार अच्छा लगा। मानवता के कल्याण के लिए अपना जीवन समर्पित कर परमात्मा को जीवनसाथी के रूप में चुना।
-बीके प्रियंका (24), दसवीं, ललितपुर, उप्र

बाकी दुनियावी लोगों के जीवन से मुझे यह आध्यात्मिक पवित्र, सादगीपूर्ण जीवन बहुत अच्छा लगा। विश्व सेवा के लिए अपना जीवन परमात्मा को समर्पित कर दिया।
- बीके ज्योति, (28), आठवीं, चंदेरी

यहां के ज्ञान में सादगी के साथ प्रेरणादायी बातें अच्छी लगी। यहां जाना कि कैसे स्व कल्याण के साथ हम विश्व कल्याण कर सकते हैं। ये जीवन परमात्मा के काम आ जाए, इससे बड़ा क्या भाग्य हो सकता है।
- बीके वंदना (28),(बीएससी), झीरीपुर, नरसिंहपुर

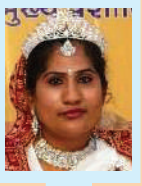
इस ज्ञान में जीवन जीने की कला सिखाई जाती है जो अच्छी लगी। सब अपने लिए जीते ही हैं, औरों के लिए जीना, इसमें ही महानता है। भगवान को जीवन साथी बनाया, ताकि लोगों की मदद कर सकूं।
- बीके मंजू, (28), बीएससी, आईटीआई, नर्सिंग, सीहोर

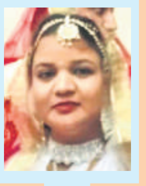
इस ज्ञान में परमात्मा, उनका ज्ञान, अलौकिक परिवार, प्यार-स्नेह बहुत अच्छा लगा। बचपन से आम लोगों से कुछ हटकर करने की तमन्ना थी, जो अब पूरी हो गई। इसलिए ब्रह्माकुमारी बनने का फैसला किया।
- बीके पिंकी (32), बीए, आगरा, उप्र

हमें मेडिटेशन बहुत अच्छा लगा। भगवान सर्वव्यापी नहीं हैं यह बात समझ आई और मानवता की सेवा के लिए समर्पण होने का संकल्प किया। माता-पिता का भी सहयोग रहा।
- बीके नंदनी, (20), बीएससी, विदिशा

ब्रह्माकुमारीज से जुड़ने के बाद यहां के नियम-मर्यादा बहुत अच्छी लगीं। जहां दुनिया झूठ फरेब में है वहीं यहां शांति, प्रेम, पवित्रता के भाव ने मुझे समर्पित होने की प्रेरणा दी। आज जीवन का सच्चा उद्देश्य मिल गया।
- बीके नीलम, (27), बीए, सागर

संपादकीय

बीती बातों को बिसार दें, होलिका में स्वाहा कर दें जीवन के कांटे

भारत त्योहारों की भूमि है, जिसमें होली के त्यौहार का एक विशेष महत्त्व है। होली का त्यौहार हम सभी बड़ी ख़ुशी के साथ मनाते है, होलिका दहन करतें है, एक दूसरे को बड़े प्यार से रंग लगाते हैं। सभी त्यौहार हमारी अपनी जीवन-यात्रा से जुड़े हैं, ये पर्व हमारे ही दिव्य-परिवर्तन की यादगार है! भारत में 33 कोटि देवी-देवताओं का गायन है और सभी त्यौहार किसी न किसी रूप से देवी-देवताओं से संबंधित है। हम यह भी जानते है कि एक समय था जब भारत सोने की चिड़िया हुआ करता था, जिसे हम सतयुग कहते हैं। वे हम देवी-देवतायें अभी सृष्टि चक्र के नियम अनुसार सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग, कलियुग से गुज़रते हुए अपनी दिव्यता से दूर होते गए और देवता से साधारण विकारी मनुष्य बन गए।

पवित्रता, शांति, प्रेम, सुख, समृद्धि जिसके हम अधिकारी हुआ करते थे, 5 विकारों (काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार) में गिरने से दुःखों की दुनिया में आ गए। लेकिन अति के बाद अंत और घोर रात्रि के बाद नया सवेरा सुनिश्चित है। इस घोर कलियुग के बाद सतयुग लाना किसी भी साधारण आत्मा का काम नहीं है और इसलिए ऐसे समय में, कल्प के अंत में निराकार परमात्मा शिव स्वयं इस धरा पर सतयुग की स्थापना के लिए अवतरित होते हैं! परमात्म अवतरण समय से लेकर सतयुग की शुरुआत के समय को संगमयुग कहते है। तो इस वर्तमान संगमयुग के समय पर ही बीती को बिंदी लगाकर, अपने बुराईयों को परमात्मा की याद से दहन कर, फिर से अपनी अपने जीवन को होली अर्थात पवित्र बनाते हैं और सृष्टि पर स्वर्ग निर्माण में अपना योगदान देकर फिर से स्वर्ग के मालिक बनते हैं।

बोध कथा/जीवन की सीख

इच्छाओं की झोली

एक राजमहल के द्वार पर बड़ी भीड़ लगी थी। किसी फकीर ने सम्राट से भिक्षा मांगी थी। सम्राट ने उससे कहा- 'जो भी चाहते हो, माँग लो। दिन के प्रथम याचक की किसी भी इच्छा को पूरा करने का उसका नियम था। उस फकीर ने अपने छोटे से भिक्षा-पात्र को आगे बढ़ाया और कहा- 'बस, इसे स्वर्ण-मुद्राओं से भर दें'। सम्राट ने सोचा, 'इससे सरल बात और क्या हो सकती है? 'लेकिन जब उस भिक्षा-पात्र में स्वर्ण मुद्राएं डालीं गईं, तो ज्ञात हुआ कि उसे भरना असंभव था क्योंकि वह

तो जादुई था। जितनी अधिक मुद्राएं उसमें डाली गईं, उतना ही अधिक वह खाली होता चला गया।

सम्राट ने अपने सारे खजाने खाली करा दिये, लेकिन खाली पात्र खाली ही रहा। उसके पास जो कुछ भी था सभी उस पात्र में डाल दिया, लेकिन अद्भुत पात्र अभी भी खाली ही रहा। तब उस सम्राट ने कहा, 'हे भिक्षु, यह तुम्हारा पात्र साधारण नहीं हैं, उसे भरना मेरी सामर्थ्य के बाहर है। क्या मैं पूछ सकता हूँ, कि इस अद्भुत पात्र का रहस्य क्या है? वह फकीर जोर से हंसने लगा और बोला-'इसमें कोई विशेष रहस्य नहीं हैं। मरघट गाट से निकल रहा था कि मनुष्य की खोपड़ी मिल गई, उससे ही यह भिक्षा पात्र बना हैं। मनुष्य की खोपड़ी कभी भरी नहीं, इसलिए यह भिक्षा पात्र कभी नहीं भरा जा सकता है। धन से, पद से, ज्ञान से, किसी से भी भरो, यह खाली ही रहेगी, क्योंकि इन चीजों से भरने के लिए यह बनी ही नहीं है। मनुष्य की द्रव्य भूख अंतहीन है और इसी मृग तृष्णा में दौड़ते-दौड़ते उसका ही अंत हो जाता है।

आत्म-ज्ञान के मूल सत्य को न जानने के कारण ही मनुष्य जितना पाता है, उतना ही दरिद्र होता जाता हैं। हृदय की इच्छाएं कुछ भी पाकर शांत नहीं होती हैं 'क्योंकि हृदय तो परमात्मा को पाने के लिए बना है। 'परमात्मा के अतिरिक्त और कहीं संतुष्टी नहीं, उसके सिवाय और कुछ भी मनुष्य के हृदय को भरने में असमर्थ है।

संदेश : जीवन में इच्छाएं जितनी कम होंगी, मन की कोठरी खाली और साफ दिल होगी तो ही वहां ईश्वर का निवास हो पाएगा।

मेरी कलम से

अर्जुन राम मेघवाल,
केंद्रीय संसदीय राज्यमंत्री, राजस्थान

ब्रह्माकुमारीज़ मानसिक, बौद्धिक आध्यात्मिक सभी में कार्य कर रही है

मेडिटेशन से मानव का संपूर्ण विकास किया जा रहा

शिव आमंत्रण, आबू रोड।

ब्रह्माकुमारीज़ आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। इसके लिए मैं संस्था को बधाई देता हूं। आज़ादी का अमृत महोत्सव जिसकी शुरुआत प्रधानमंत्री ने की थी और इसी क्रम में ब्रह्माकुमारीज़ माउंट आबू राजस्थान द्वारा आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर अभियान चलाया जा रहा है। वर्ष भर चलने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला के पुनीत अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ संस्था को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रकट करता हूं।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्था ध्यान मेडिटेशन के माध्यम से मानव के संपूर्ण विकास की ओर, विशेष रूप से आध्यात्मिक विकास की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। मैं कई बार ब्रह्माकुमारीज़ कार्यक्रमों में आया हूं। मानव का विकास शारीरिक भी हो, मानसिक भी हो, बौद्धिक भी हो आध्यात्मिक भी हो, इस दिशा में ब्रह्माकुमारीज़ माउंट आबू का कार्य बहुत ही सराहनीय हैं।

विश्व शांति का दूत बनकर यह संस्था निकली है ऐसी मेरी कल्पना भी है। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, स्वच्छ भारत अभियान आदि-आदि कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में जागृति फैलाने का कार्य भी संस्था द्वारा किया जा रहा है। महिलाएं नए भारत की ध्वजवाहक, आत्मनिर्भर किसान, मेरा भारत स्वस्थ भारत, स्वर्णिम भारत के लिए नई शिक्षा आदि-आदि विभिन्न कार्यक्रमों से समाज के विभिन्न वर्ग का मूल्यों और आध्यात्म का संदेश दिया गया।

यह बहुत ही गर्व का विषय है कि संस्थान का मुख्यालय राजस्थान के माउंट आबू में है। संस्थान से जुड़े लाखों भाई-बहनें समाज की सेवा में, देश की सेवा में निस्वार्थ भाव से जुटे हुए हैं। नारी शक्ति द्वारा संचालित यह संस्था नारी के उत्थान और सशक्तिकरण की मिसाल है। नारी की बदलाव में बहुत बड़ी भूमिका होती है। यह नारी से साबित करके भी दिखाया है।

संस्थान द्वारा भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार में भी महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। इस ज्ञान से जुड़कर लोगों के जीवन में, चरित्र और व्यवहार में बदलाव आता है। लोगों की मानसिकता बदल जाती है। ध्यान से हमारे मन को संतोष मिलता है। आज की इस भागदौड़ भरी जिंदगी में सभी के लिए मेडिटेशन बहुत जरूरी है।

आध्यात्मिक परिदृश्य में आत्मदर्शन की समग्रता

जीवन का मनोविज्ञान — भाग - 56

- डॉ. अजय शुक्ला, बिहेवियर साइंटिस्ट
गोल्ड मेडलिस्ट इंटरनेशनल, ह्यूमन राइट्स मिलेनियम अवार्ड डायरेक्टर
(स्प्रीचुअल रिसर्च स्टडी एंड एजुकेशनल ट्रेनिंग सेंटर, बंजारी, देवास, मप्र)

शिव आमंत्रण, आबू रोड। आत्मगत अध्ययन के विविध स्वरूप में मनुष्य जीवन की सौभाग्यशाली परंपराका दार्शनिक सिद्धांत और आध्यात्मिक प्रसंग की संवेदनशील अभिव्यक्ति मानवतावादी चिंतन का चैतन्यता से युक्त संबोधन है जोआत्म तत्व के व्यवहारिक क्रियान्वयन एवं प्रेरणात्मक जुड़ाव का पवित्र पक्ष होता है। आध्यात्मिक परिदृश्य की समग्रता में आत्मिक अध्ययन एवं पुरुषार्थ अनुसंधान की व्यापक परिधि, शैक्षणिक प्रशिक्षण द्वारा आत्मदर्शन को सुनिश्चित कर देती है जिससे पारदर्शी जीवन तथा यथार्थवादी स्वरूप का सामाजिक परिदृश्य मंगलकारी रूप में प्रखरता से मुखरित हो जाता है। "

संपूर्ण समर्पण द्वारा सहज अवस्था

आध्यात्मिक अनुसंधान की प्रक्रिया में शिक्षा एवं दीक्षा की व्यवहारगत गतिशीलता आत्मा के अध्ययन की ओर व्यक्ति को अभिप्रेरित करती है जिससे सकारात्मक और सार्थक जीवन ढूंढने का शुभ भावनिर्मित होता है और जीवात्मा संपूर्ण एवं समर्पित अवस्था हेतु सहज ही आत्मिक प्रतिबद्धता को अंतर्मन से स्वीकार कर लेती है। जीवात्मास्वयं कीअनुभूति के लिए आत्मिक अध्ययन सेसंबंधित शिक्षण एवं प्रशिक्षण का अनुगमन करके आत्मतत्व को पुण्यात्मा तथा देवात्मा के निर्माण में नैसर्गिक श्रद्धा से संबद्ध होकर पुरुषार्थ में संलग्न हो जाती है जिससे आत्मानुभूति और परमात्मानुभूति के अनहदआनंद का स्थायित्व जीवन में पुनर्स्थापित किया जा सकता है।

आत्म तत्व का व्यवहारिक स्वरूप

चेतना के परिष्कार की सात्विकता का आत्मसाक्षात्कार होने पर जीवन मूल्य एवं अध्यात्मदर्शन का उत्तरदायित्व पूर्ण बोध सुनिश्चित हो जाता है जिससे आत्महित साधनेके साथ सामाजिक उत्थान तथा मनोवैज्ञानिक संदर्भ की व्यवहारिक विवेचना करना न्याय संगत हो जाता है। आत्मगत अध्ययन के विविध स्वरूप में मनुष्य जीवन की सौभाग्यशाली परंपरा का दार्शनिक सिद्धांत और आध्यात्मिक प्रसंग की संवेदनशील अभिव्यक्ति मानवतावादी चिंतनका चैतन्यता से युक्तसंबोधन है जो आत्मतत्व के व्यवहारिक क्रियान्वयन एवं प्रेरणात्मक जुड़ाव का पवित्र पक्ष होता है।

संपूर्ण समर्पण द्वारा सहज अवस्था की प्राप्ति

पुरुषार्थ अनुसंधान की व्यापक परिधि

जीवन में आत्मिक उत्कर्ष की अवस्था का निर्माण हो जाना अनुभूतिगत सत्यता तथा आनंद दाई स्थिति की सुखद परिणीति का जीवंत प्रमाण है जो व्यक्ति में संपूर्ण विकासात्मक गतिशीलता और कल्याणकारी परिवेश के स्वतंत्र अस्तित्व को विकसित करने में सदा मददगार भूमिका निभाता है। आध्यात्मिक परिदृश्य की समग्रता में आत्मिक अध्ययन एवं पुरुषार्थ अनुसंधान की व्यापक परिधि, शैक्षणिक प्रशिक्षण द्वारा आत्मदर्शन को सुनिश्चित कर देती है जिससे पारदर्शी जीवन तथा यथार्थवादी स्वरूप कासामाजिक परिदृश्य मंगलकारी रूप में प्रखरता से मुखरित हो जाता है।

आत्म दर्शन का अनुभूतिगत अवदान

आत्मिक परिवेश की पवित्रता और उससे संबद्ध उच्चता की ओर अग्रसित जीवात्मा द्वारा आध्यात्मिक परिदृश्य में आत्म दर्शन की समग्रता को सरल, सहज एवं विनम्रता की पृष्ठभूमि में प्राप्त कर लेना, आत्मगत अनुभूति की अति सूक्ष्म गहनतम अवस्था का स्वरूप है जो परिष्कृत चेतना के माध्यम से सदा परिलक्षित होता रहता है। संपूर्णता के संपन्न स्वरूप के अंतर्गत चेतना का आभामंडल चहुं दिशाओं में आत्म दर्शन के अनुभूतिगत अवदान से प्रस्फुटित होता है जिसमें आत्मा के स्वमान, स्वरूप एवं स्वभाव की सर्वोच्चत्तम स्थितियां अपनी नैसर्गिक प्रेरणादाई भूमिकाओं के निरंतर योगदान से सर्व मानव आत्माओं को धन्यता प्रदान करते हुए गतिशील बनी रहती हैं।

"अगर मन परिवर्तित हो जाए तो गलत कार्य ठहर नहीं सकते हैं।"

महात्मा बुद्ध, बौद्ध धर्म

"जितना अधिक आप लोगों में अच्छाई देखेंगे, उतना ही आप में अच्छा स्थापित करेंगे।"

– परमहंस योगानंद, संत

गॉडली ब्लैसिंग का पॉवर हाउस

शिव आमंत्रण, भोपाल।

झीलों की नगरी भोपाल में हाईटेक तकनीक, बेजोड़ इंजीनियरिंग और स्प्रीचुअल डिवनिटी को खुद में समेटे नवनिर्मित ब्रह्माकुमारीज ब्लैसिंग हाउस, गॉडली ब्लैसिंग का पॉवर हाउस साबित होगा। इसमें सुंदर डिजाइन के साथ साइंस और स्प्रीचुअलिटी का अद्भुत सामंजस्य है जो इसकी सुंदरता को चार चांद लगाता है। ब्रह्माकुमारीज की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके संतोष दीदी, भोपाल जोन की निदेशिका राजयोगिनी बीके अवधेश दीदी, रीवा प्रभारी बीके निर्मला दीदी, छतरपुर प्रभारी बीके शैलजा दीदी ने रिबन काटकर ब्लैसिंग हाउस समाज के नाम समर्पित किया। भोपाल जोन की 200 से अधिक ब्रह्माकुमारी बहनें, भाई सहित माउंट आबू से पहुंचे भाई भी मौजूद रहे। ब्लैसिंग हाउस की निदेशिका बीके डॉ. रीना ने बताया कि आध्यात्मिकता में रुचि रखने वाले और मेडिटेशन सीखने के इच्छुक शहरवासियों के लिए ब्लैसिंग हाउस नई अनुभूति कराएगा। यहां आकर लोग शांति और सुकून के साथ कुछ पल बिता सकेंगे।

जीवन को श्रेष्ठ बनाने में मददगार...

जहां दवा काम नहीं करती वहां दुआ काम आती है। जीवन में आगे बढ़ने का आधार है सच्चे दिल से की गई दुआ। जीवन के हर मोड़ पर दुआओं का महत्व है। हमारी सफलता में दुआओं का बड़ा योगदान होता है। दुवाओं की इसी शक्ति से जीवन को श्रेष्ठ बनाने के लिए ब्लैसिंग हाउस का निर्माण किया गया। इसी लक्ष्य को लेकर यहां कार्य किया जाएगा।

इन सुविधाओं से लैस है ब्लैसिंग हाउस...

आधुनिक तकनीक से सुसज्जित है। हर फ्लोर पर वाई-फाई की सुविधा है। सीसीटीवी कैमरा। अत्याधुनिक लाइट एवं साउंड की सुविधा है। इस पांच मंजिला इमारत के प्रथम तल में बने ज्ञान मोती हॉल में 100 से अधिक लोगों के बैठने की व्यवस्था है। इसमें साउंड रुम एवं ग्रीन रुम लगे हुए हैं। द्वितीय तल में मीटिंग हॉल है। तृतीय तल में गुण मोती हॉल है, जिसमें 250 लोग बैठ सकते हैं। चतुर्थ तल में बड़ा किचन एवं स्टोर रुम है। यहां 100 लोग एक साथ बैठकर भोजन कर सकते हैं। साथ ही आवास-निवास सुविधा है।

साइंस और स्प्रीचुअलिटी का अद्भुत मेल है नवनिर्मित ब्रह्माकुमारीज़ ब्लैसिंग हाउस

मूल्यनिष्ट मीडिया का बनेगा केंद्र...

मीडिया में मूल्यों को स्थापित करने का कार्य ब्रह्माकुमारीज़ के मीडिया प्रभाग एवं मूल्यानुगत मीडिया अभिक्रम समिति द्वारा अनेक वर्षों से किया जा रहा है। इस कार्य को तीव्रता से करने के लिए ब्लैसिंग हाउस कारगर सिद्ध होगा। मूल्यों से युक्त खबरें, टीवी चैनल, यूट्यूब, सोशल मीडिया आदि के माध्यम से समाज के कल्याण के लिए प्रेषित की जाएंगी।

समाज कल्याण के लिए ये सेवाएं भी चलेंगी...

- कन्याओं के लिए नैतिक एवं चारित्रिक उत्थान की शिक्षा दी जाएगी।
- राजयोग थॉट लैब की स्थापना की जाएगी। इससे सकारात्मक विचारों की शक्ति का अध्ययन किया जाएगा।
- सुप्रशासन की कला सिखाई जाएगी। इसके लिए समय प्रति समय प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे।
- पीस ऑफ माइंड, पॉजिटिव थिंकिंग, कंसंट्रेशन, ड्रग डीएडिक्शन, टेंशन फ्री लाइफ, सेल्फ कॉन्फिडेंस, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान जैसे कार्यक्रम चलाए जाएंगे।

दो शहर, तीन स्पीच: शिवानी दीदी का मंत्र- विपरीत परिस्थितियां तूफान नहीं तोहफा हैं, क्योंकि यही हमें आगे बढ़ाती हैं, मन का भोजन है ध्यान

स्थान: सुख-शांति भवन, नीलबड़।
विषय: इमोशनल हीलिंग

शिव आमंत्रण, नीलबड़/भोपाल

पॉजिटिव एनर्जी डेवलप करने, पॉजिटिव थिंकिंग से आगे बढ़ने और लाइफ में सक्सेस कैसे पाएं... इन्हीं विषयों को लेकर मोटिवेशनल स्पीकर बीके शिवानी दीदी ने क्लास लगाई। इस दौरान हरेक आयु वर्ग के साथ ही बड़ी संख्या रिटायर्ड ब्यूरोक्रेट, फौजी अफसर, प्रोफेसर, बिजनेसमैन और महिलाएं मौजूद रहीं। ओम शांति का उच्चारण करने के साथ ही दो मिनट का मेडिटेशन (मकसद एकाचित्त करना)। इस दौरान गीत बजता है- 'आओ दीप जलाएं, आओ दीप जलाएं, संस्कृति से संवाद बनाएं। उनका फोकस था कि हम अपने संस्कारों को भूल रहे हैं। नेगेटिविटी रखते हैं तो रिश्तों को खो रहे हैं, ऐसे में लाइफ के टारगेट को अचीव नहीं कर पा रहे हैं। इसका असर हेल्थ भी पड़ रहा है, लेकिन हम अनजाने में इसकी जटिलता में घिरते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि संकल्प से ही सृष्टि बनती है। सृष्टि से संकल्प नहीं। संकल्प की क्वालिटी डाउन हो गई तो उसका सृष्टि के ऊपर भी असर पड़ेगा।

दूसरों की गलतियों के लिए अपने भाग्य को कम न करें। कोई भी हमारे अनुसार परफेक्ट नहीं हो सकता है। खुद से प्रति प्रश्न करते हुए बोलीं- हम परफेक्ट दुनिया बना सकते हैं? परफेक्ट माइंड बना सकते हैं? इसके लिए पहली स्टेप है, जैसे कोई बात आती है तो उस पर कितना सोचना है? नहीं सोचना? यह चैक करो। मन को शांत और आत्मा का चार्ज रखने के लिए उन्होंने मेडिटेशन के माध्यम से दस संकल्प भी कराए।

स्थान: ब्लैसिंग हाउस, भोपाल।
विषय: दुआ का महत्व

शिव आमंत्रण, भोपाल।

ये कौन आया, रोशन हो गई महफिल किसके नाम से, मेरे घर में जैसे सूरज निकला है शाम से.... इस फिल्मी गीत से अंतरराष्ट्रीय मोटिवेशन स्पीकर बीके शिवानी दीदी का स्वागत हुआ। अपनी स्पीच में दीदी ने जीवन का उद्देश्य, दुआ का महत्व, ध्यान की शक्ति और संसार से प्रेम करने को कहा। उन्होंने कहा कि किसी को दुख नहीं देना है। सबको सम्मान देना है। खुद से प्रेम करो। समझाते हुए कहा कि खुद परफैक्ट नहीं तो परफैक्ट एनर्जी फैला नहीं सकते। मनुष्य अपने स्वभाव के कारण खुद डर, चिंता की एनर्जी क्रिएट करता है। इसका प्रभाव शरीर पर पड़ने से वह निरोगी नहीं रह पाता। शरीर का तो इलाज करते हैं, लेकिन मन के ब्लॉकेज का नहीं। इसलिए मन, मस्तिष्क को स्थिर रखें। यहां जितना कचरा जमा है, उसे निकालें। हमारी सोच ही हमारे जीवन की दशा और दिशा को निर्धारित करती है। हमें अपने विचारों पर ध्यान देना चाहिए। हमारे कर्म सबको दिखते हैं किंतु हमारी सोच और भावना सिर्फ हमें दिखाई देती है। इसलिए अपने विचारों को श्रेष्ठ बनाइए। कर्म को श्रेष्ठता में बदलें तो आपको सुखद अहसास होगा। कोई बड़ी या छोटी गलती करे तो दुआ दें। दुआ लगातार देते रहें। इससे विचारों में पवित्रता आएगी। नफरत का ट्रांजेक्शन मत कीजिए। इसे पकड़ना नहीं है। न ही नफरतों के गांठें बनने देना है। दिमाग में रिकॉर्ड है, वह साथ लेकर जाते हैं- जैसे संस्कार, कर्म को साथ लेकर जाते हैं।

स्थान: अटल बिहारी वाजपेयी सभागार।
विषय: टेंशन फ्री लाइफ

शिव आमंत्रण, ग्वालियर।

बीके शिवानी दीदी ने जीवाजी यूनिवर्सिटी के अटल सभागार में शहर के डॉक्टर्स, मेडिकल स्टाफ, नर्स को संबोधित करते हुए कहा कि आत्मा, अजर, अमर अविनाशी है। कर्म, संस्कार लेकर आई है। अटेंशन हमारी परमानेंट प्रॉपर्टी है। लाइफ में प्राथमिकता कर्म और संस्कार फोकस मेरे कर्म पर होना था। दूसरों की गलती की वजह से हमें अपने कर्म नहीं बिगाड़ने चाहिए। जब यह याद रहता है कि मैं आपका हूँ तो मुझे यह पता रहता है कि मेरे संस्कार क्या हैं जीवन में संस्कार बहुत महत्वपूर्ण है। पांच प्रकार के संस्कार हैं पहला पूर्व जन्म के यानी जब आत्मा मां के गर्भ में प्रवेश कर लेता ही मिलते हैं। दूसरा परिवार से मिले संस्कार यानी जब आत्मा मां के गर्भ में प्रवेश कर लेती है तो तभी से मिलने लगते हैं। मां को इन दिनों में टीवी, मोबाइल से दूर रहना चाहिए। क्योंकि सबसे ज्यादा संस्कार गर्भ में ही मिलते हैं। अन्यथा मां शिकायत करती हैं कि मेरा बच्चा मोबाइल ही नहीं छोड़ता है। तीसरा वातावरण से मिले संस्कार, चौथा अपनी इच्छा से मिले संस्कार और पांचवां आत्मा का वास्तविक संस्कार। यह बात याद रखो कि मैं शक्तिशाली आत्मा हूँ। शक्तिशाली आत्मा परिस्थिति को अपने हिसाब से परिवर्तित कर देता है। रात में सोने से पहले और सुबह जगने के बाद अपने विचारों को शुद्ध रखें। सोने से 15 मिनट पहले मन को शांत और पवित्र बनाना है। दिन की शुरूआत मेडिटेशन से करें। खाना खाने के समय फोन-टीवी बंद रखें।

समस्या- समाधान

राजयोगी बीके सूर्य
वरिष्ठ राजयोग शिक्षक

पिछले अंक से क्रमश:

पॉवरफुल वाइब्रेशन का प्रभाव हमारे आभामंडल पर होता है

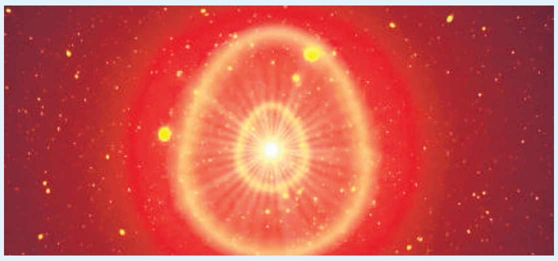

शिव आमंत्रण, आबू रोड।

पॉवर तो संसार में बहुत सी चीजों को कहते हैं जैसे इलेक्ट्रिसिटी भी एक पॉवर है, एटॉमिक एनर्जी भी एक पॉवर है, यह सब संसार की चीजें हैं तो हम बहुत शक्तिशाली हैं। पहली बात शक्तियों का वास मन है और इसका 90 प्रतिशत हिस्सा सबकॉन्शियस माइंड में रहता है। 10 प्रतिशत कॉन्शियस माइंड में है। कॉन्शियस माइंड वह माइंड जिससें हम सोच रहे हैं। सारा समय और सबकॉन्शियस कहते हैं। अर्धचेतन मन जो सोचता नहीं है, उसमें सोचने की शक्ति नहीं है वह चेतन मन के कमांड को स्वीकार करता है।

एक महत्वपूर्ण बात जिससे हम सभी सहमत होंगे। इस समय मनुष्य के मन की शक्ति बहुत कम है जो अब से 50 साल पहले थी वह अब नहीं है। आत्म के संबंध में शायद आपने एक बात सुनी हो कि जब हम इस संसार में आए तो आत्मा की डिग्री ऑफ पॉवर 100 डिग्री थी लेकिन अब 10 डिग्री पर या 5 डिग्री पर आ चुकी है। इसलिए हम देखते हैं कि आजकल मनुष्य बहुत शिकायत ले कर आते हैं कि हम बहुत सोचते हैं, हम बहुत निगेटिव सोचते हैं, हम अपने माइंड पर कंट्रोल नहीं कर पा रहे हैं, एक विचार अगर आ गया तो वह चलता ही रहता है क्योंकि मन बहुत कमजोर हो चुका है इसलिए ब्रेन भी कमजोर हो चुका है। एक है यह महत्वपूर्ण चीज।

दूसरी महत्वपूर्ण चीज यह है कि हमारा सुप्रीम पिता परमात्मा हम सब महान आत्मा से एक्सपेक्ट करता है। शुद्ध ऊर्जा अपने आप में हीलिंग एनर्जी है। अब ऐसा भी समय आ रहा है बहुत तेजी से हमारे और आप आपके देखते-देखते कि जब दवाइयां काम नहीं करेंगी। क्योंकि मनुष्य के अंदर की शक्तियां नष्ट होती जा रही हैं तो दवाइयां और डॉक्टर भी क्या करेंगे मनुष्य ने अपने आप को इतना निगेटिव बना लिया है कि जैसे दवाइयों को रिजेक्ट कर रहा है तो दवाइयां पूरा असर ही नहीं डाल रही हैं तो हमें कुछ ऐसे भी डॉक्टर चाहिए जो वाइब्रेशन के द्वारा दूसरों को हील कर सकें।

आप अपने आप को पौस्टिक वाइब्रेशन से इतना चार्ज कर दें कि कोई भी दुःखी आत्मा आपके पास आए तो वह वाइब्रेशन के प्रभाव से ठीक हो जाए ऐसे डॉक्टर की आने वाले समय में बहुत आवश्यकता होगी। आप सब ने सुन लिया होगा कि डब्ल्यूएचओ ने कह दिया है कि 2020 में डिप्रेशन ही सबसे बड़ी महामारी होगी। पहले कहा था कैंसर बहुत होगा वह हो रहा है फिर कहा था हार्ट डिसीस बहुत होंगे वह भी बहुत फैल रही हैं और यह आप लोग अच्छी तरह जानते हैं कि मानसिक रोगों की दवाइयां नहीं होती क्योंकि रोग मन में है परंतु डॉक्टर्स जो दवाई देते हैं वह ब्रेन की देते हैं, मन की नहीं। वह ब्रेन को थोड़ा सा एक्टिव कर देते हैं लगता है कि मन ठीक हो रहा है लेकिन वह कुछ देर के लिए होता है। अब एक रहस्य की ओर मैं आपको ले चलता हूं। आप जरा उस पर चिंतन करना। अब यह युग बदलने वाला है, परमात्मा की प्लानिंग चल रही है इस युग को बदलने के लिए। मनुष्य की प्लानिंग अब नहीं चलेगी परमात्मा ने ही हम सभी को ये सत्य ज्ञान दिया है जो हम आपको बता रहे हैं। यह हमारी रिसर्च बिल्कुल नहीं है। यह परमात्म महावाक्य हैं जो हमें प्राप्त हुए हैं। महावाक्यों में मैंने सुना था 1975 में कि ऐसा समय आएगा जब दवाइयां काम नहीं करेंगे लेकिन आपके वाइब्रेशन आपकी दृष्टि ऐसा काम करेगी कि उनकी बीमारियां ठीक हो जाएंगी। यह कोई चमत्कार या जादू नहीं होगा, यह होगा हमारे पॉवरफुल वाइब्रेशन का इफेक्ट।

मैं उन डॉक्टर्स से कहना चाहूंगा जो ब्रह्माकुमार या ब्रह्माकुमारी बन चुके हैं उनको अक्सर यह कहता हूं कि अब यह आप ही ऐसे वाइब्रेशन क्रिएट करो ऐसी एनर्जी पैदा करो जो कि एक हीलिंग एनर्जी की तरह से लोगों को राहत मिलने लगे और यह काम आप भी कर सकते हैं। इसके लिए आपको स्प्रीचुअल ज्ञान को भी धारण करना पड़ेगा। मैं आप सब से तीन बातें कहना चाहता हूं कि सभी भाई-बहनों को स्वीट, सॉफ्ट और लाइट होना है। लाइट का अर्थ है इजी। इससे आप अपने जीवन की यात्रा को, अपने कार्यों को बहुत एंजॉय कर सकेंगे।

स्व प्रबंधन

बीके ऊषा
वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका

परख और निर्णय शक्ति भी एक दूसरे के पूरक हैं

जब व्यक्ति अहंकार के वश में होता तब वह समझदार होने के बाद भी गलत निर्णय ले लेता है

शिव आमंत्रण, आबू रोड।

बंजारे ने पूछा कि आप कहां के हैं? उसने कहा कि मैं भिवानी का रहने वाला हूं रुपये कमाने के लिए दिल्ली गया था। कुछ दिन वहां रहा, फिर बीमार हो गया। जो थोड़े रुपये कमाए थे, वे खर्च हो गए। व्यापार में घाटा पड़ गया। पास में कुछ रहा नहीं तो विचार किया कि घर चलना चाहिए। उसकी बात सुनकर बंजारा नौकरों से बोला कि इनकी सम्मति मत लो। जैसे चल रहे हो वैसे चलो। इनकी बुद्धि तो अच्छी दिखती है, पर उसका नतीजा ठीक नहीं निकलता, अगर ठीक निकलता तो ये धनवान हो जाते। हमारी बुद्धि भले ही ठीक न दिखे, पर उसका नतीजा ठीक होता है। मैंने कभी अपने काम में घाटा नहीं खाया। बंजारा अपने बैलों को लेकर दिल्ली पहुंचा। वहां उसने ज़मीन खरीद कर मुल्तानी मिट्टी और रेत दोनों को अलग-अलग ढेर लगा दिया और नौकरों से कहा कि बैलों को जंगल में ले जाओ और जहां चारा-पानी हो, वहाँ उनको रखो। यहाँ उनको चारा खिलायेंगे तो नफा कैसे कमायेंगे? मुल्तानी मिट्टी बिकनी शुरू हो गई। उधर दिल्ली का बादशाह बीमार हो गया। वैद्य ने सलाह दी कि अगर बादशाह राजस्थान की रेत पर सोये तो उनका शरीर ठीक हो सकता है। रेत में शरीर को निरोग करने की शक्ति होती है। अतः बादशाह को राजस्थान भेजो। वज़ीर ने कहा कि राजस्थान क्यों भेजें, वहाँ की रेत यहीं मँगा लो।

रेत लाने के लिए ऊंट भेजो। तब किसी ने कहा कि ऊंट क्यों भेजें, यही बाज़ार में रेत मिल जाएगी। बाज़ार में कैसे मिल जाएगी? अरे यह दिल्ली का बाज़ार है, यहां सब कुछ मिलता है। मैंने एक जगह रेत का ढेर लगा हुआ देखा है। एक सिपाही ने कहा। फिर जल्दी रेत मंगवा लो। बादशाह के आदमी बंजारे के पास गए और उससे पूछा कि रेत क्या भाव है? बंजारा बोला कि चाहे मुल्तानी मिट्टी खरीदों, चाहे रेत खरीदो, एक ही भाव है। दोनों बैलों पर बराबर तोलकर आएं हैं। बादशाह के आदमियों ने वह सारी रेत खरीद ली। अगर बंजारा दिल्ली से आए उस सज्जन की बात मानता तो ये मुफ्त के रुपये कैसे मिलते? इससे सिद्ध हुआ कि बंजारे की बुद्धि ठीक काम करती थी।

विवेकयुक्त बुद्धि से लें निर्णय-
कहने का भाव है कि व्यक्ति जब अपने सफलता वाले अनुभवों के आधार पर एकाग्रता से विवेकयुक्त बुद्धि से निर्णय लेता है तब वह सही दिशा में आगे बढ़ता है। परन्तु जब व्यक्ति अपने अंहकार के वश में होता या अपने अहंकार को पालते रहता है तब वह समझदार होने के बाद भी गलत निर्णय ले लेता है। कहने का भाव है कि जब मनुष्य अपनी विवेकयुक्त बुद्धि से परिस्थिति को परखते हुए सही निर्णय लेता है तब वह अंहकार रूपी शत्रु को मारकर अपनी मंज़िल की ओर सफलता पूर्वक कदम बढ़ाता हैं। जिस तरह सहनशक्ति और समाने की शक्ति एक दूसरे के पूरक हैं। वैसे परख शक्ति और निर्णय शक्ति भी एक-दूसरे के पूरक हैं और मनुष्य जीवन में यह महत्वपूर्ण शक्तियां हैं।

सहन करें या सामना करें?
निर्भयता एवं साहस के गुण से सामना करने की शक्ति को विकसित करके अनेक प्रकार की कामनाओं पर विजय प्राप्त कर सकते हैं। समय प्रति समय मानव जीवन में अनेक परिस्थितियां और समस्याएं आती रहती हैं जिसका सामना करके पार करना होता है। कभी-कभी मनुष्य इसी उलझन में रहता है कि ऐसे समय में वह उसे सहन करे या सामना करके पार करे। जीवन में सहनशक्ति और सामना करने की शक्ति, इन दोनों शक्तियों की बहुत आवश्यकता है।

आध्यात्म की उड़ान

डॉ. बीके सचिन
मेडिटेशन एक्सपर्ट

आत्मा का मूल स्वभाव है एक-दूसरे से स्नेह

जीवन में नवीनता लानी है कुछ ऐसे काम करना है जो जीवन में खुशी भर दें आनंद भर दें

शिव आमंत्रण, आबू रोड।

1. स्वीकार करना- क्या हमने स्वयं को स्वीकार किया है जो मेरे साथ व्यक्ति रहते हैं पति, पत्नी, बच्चे क्या उनको स्वीकार किया है? क्या जीवन की परिस्थितियों को स्वीकार किया है? क्या जीवन में आने वाली कठिनाइयों को, अपनी ही कमियों को, अपने ही कमज़ोरी को, अपनी ही असफलता को स्वीकार किया है? शायद नहीं। यही सब जीवन में शायद दु:ख का कारण है कि जीवन में जो कुछ है हमने उसे स्वीकार ही नहीं किया। अंदर से मन ने रिजेक्ट लिस्ट में डाल रखा है। जिस व्यक्ति के साथ हम जीवन बिता रहे हैं शायद उसी को रिजेक्ट कर रहा है, क्योंकि उसका स्वभाव जो कभी बहुत पसंद था और उसकी तरफ तीव्रता से आकर्षित हो गए थे, परंतु आज वही व्यक्ति अच्छा नहीं लगता। प्रेम अर्थात सम्पूर्ण स्वीकार। एक्ससेपटेंस अर्थात ये नहीं कि हमने हार मान ली, एक्ससेपटेंस अर्थात ये नहीं कि हम परिस्थितियों के आगे झुक गए। हम बदलेगें ही नहीं, परिस्थिति बहुत विकराल है, मैंने उसे मान लिया, स्वीकार कर लिया और झुक गया और उसे बदलूंगा ही नहीं, ये गलत परिभाषा है। तो जीवन में यदि पुन: खुशी आ जाए ये चाहना है तो स्वीकार करना पड़ेगा। जिसे हम बदल नहीं सकते उसे स्वीकार करना पड़ेगा। उसी समय, ताकि हम तैयारी करें, उसे बदलने की। स्वयं को देखना है मैंने किस-किस को अस्वीकार कर रखा है। परंतु उसी के साथ जीना है, लेकिन मन ने अस्वीकार किया इसलिए दु:ख है, दर्द है। जी रहे हैं सबकुछ कर रहे हैं ऊपर से खुशी है। परंतु अंतर से दर्द है क्योंकि स्वीकार नहीं किया है।

2. बैलेंस- जहां-जहां अति होगी वहां दु:ख होगा, किसी भी चीज की, किसी भी बात की। जीवन की वीणा में भी संगीत तब बजेगा जब वो मध्यम होंगे। उसे बहुत तानों नहीं और बहुत ढीला भी नहीं छोड़ दो। अति भोग में मत डूब जाओ और न ही ऐसा संयमित कर दो नियम और मर्यादाओं से की जीवन ही मुश्किल हो रहा है तो हमें बैलेंस बनाए रखना है।

3. क्रिएटिविटी- क्रिएटिविटी अर्थात् रचनात्मकता, क्रिएटिविटी अर्थात् नवीनता। उसी तरह का जीवन-वही उठना, वहीं सब कुछ, वही न्यूज़ पेपर, वही चाय और फिर वही ऑफिस और वहीं ट्रैवल, वही घर आना, वही सारे लोग, वही सारा काम। लंबा समय एक ही तरह का काम करते-करते व्यक्ति थक जाता है। जब तक जीवन में नवीनता न आए तब तक जीवन का सौंदर्य दिखाई नहीं देगा। नवीनता लानी है कुछ ऐसे काम करना है जो जीवन में खुशी भर दें, आनंद भर दें।

4. डिजिटल डिटॉक्स- इतना इन साधनों में हम अपने आपको नहीं डुबो दें कि हम स्वयं ही खो गए। जितना उसमें हम डूबते जाएंगे उतना स्वयं की चेतना से दूर हो जाएंगे और वो एडिक्शन ना बन जाए। यदि मन शांत हो, शांति चाहिए और जीवन में खुशी चाहिए फिर से तो अपने आप को डिसाइड करना पड़ेगा कितना स्क्रीन टाइम है हमारा। समय की मांग है डिजिटल डिटॉक्स। कितनी बार सारे दिन में मेल चेक किए जाते हैं, कितनी बार वाट्सएप चेक किए जाते हैं। सुबह का समय, रात का समय, कुछ समय अपने लिए देना है जिसमें हम स्वयं के विषय में सोचें, अपने जीवन के विषय में सोचें, जीवन में जो दुख, दर्द छुपा हुआ है उसके विषय में सोचें। कुछ समय एकांत में चिंतन भी करें।

5. एक्सरसाइज- एक व्यक्ति दु:खी है, एक्सरसाइज करता है उसके बाद वो वैसा ही नहीं रहता, क्योंकि ब्रेन में बहुत सारे चैंजेस हो जाते हैं, बहुत सारे न्यूरो ट्रांसमीटर्स रिलीज होते हैं वो बदल जाता है। इसके लिए अपनी व्यस्त दिनचर्या में कुछ समय ऐसा निकालना है जिसमें हम एक्सरसाइज करें। वो एक्सरसाइज प्राणायाम हो सकता है, योगासन हो सकता है या फिर कोई और प्रकार का एक्सरसाइज। परंतु दस मिनट, बीस मिनट उसको एड करना है अपनी दिनचर्या में। नहीं तो जिस वेग से हम दौड़ रहे हैं उसमें इन सब चीज़ों के लिए बहुत कम समय है। ये केवल हम स्वास्थ्य के दृष्टि से नहीं मन की और अध्यात्म की दृष्टि से बोल रहे हैं।

6. फॉरगेट एंड फॉरगिव- फॉरगेट एंड फॉरगिव अर्थात भूल जाओ और माफ़ कर दो। हरेक के जीवन में ऐसी दर्दनाक घटनाएं हुई हैं कि हमने ऐसा कोई व्यक्ति है जिसको बिलकुल माफ़ नहीं किया है क्योंकि उन्होंने काम ही ऐसे किए हैं, हमारे जीवन को जिन्होंने नर्क बनाया है, हमारे जीवन में ऐसी मानसिक यातनाएं दी है कि हमने उन्हें माफ़ ही नहीं किया है। शायद हमें उन्हें माफ़ इसलिए नहीं करना है हमें ख़ुद के लिए माफ़ करना है। क्योंकि जब तक हम उन्हें माफ नहीं करेंगे हमारा मन शांत नहीं हो सकता क्योंकि ये हमारा स्वभाव रहता है। प्रेम है मूल स्वभाव आत्मा का। नफरत, बदला ये हमारा स्वभाव नहीं है। वो सारी आत्माएं वो सारे लोग जो जीवन में आए जिन्होंने शायद हमें सताया, बहुत दुख दिया, बहुत दर्द दिया, धोका दिया, अपशब्द बोले, कठोर शब्द बोले, ग़लत व्यवहार किया, अपमान किया सबके सामने हमारा मन कहीं न कहीं उनके विरुद्ध में कुछ न कुछ योजना बना रहा है।

आध्यात्मिक ज्ञान का नया शक्ति केन्द्र बनेगा त्रिमूर्ति भवन

महामंडलेश्वर प्रेमानंद सरस्वती महराज और जोनल निदेशिका राजयोगिनी आरती दीदी ने समाज को समर्पित किया त्रिमूर्ति भवन

शिव आमंत्रण, नवापारा/राजिम (मप्र)।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के इतिहास में एक और अध्याय जुड़ गया। हाल ही में बनकर तैयार हुए ग्लोबल पीस हॉल और त्रिमूर्ति भवन का शुभारंभ रिबन काटकर और शिव ध्वजारोहण कर इंदौर-छत्तीसगढ़ जोन की निदेशिका राजयोगिनी बीके आरती दीदी और मुंबई से पधारे महामण्डलेश्वर प्रेमानंद सरस्वती महाराज ने किया।

नवकार स्कूल के सामने परिसर में आयोजित उदघाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष योगेश शर्मा ने कहा कि इस चंचल मन को नियंत्रित करना दुनिया का सबसे कठिन कार्य है। त्रिमूर्ति भवन जैसे स्थान पर आने से हम अपने इस चंचल मन को अपने वश में कर सकते हैं। ब्रह्माकुमारीज़ का मुख्य कार्य है योग की शिक्षा देना। जिस दिन हम योग को सीखकर मन को वश में करना सीख गए तो यही परमात्मा को पाने की और परम सुख की अनुभूति हो जाती है। महोत्सव में 1500 से अधिक लोग मौजूद रहे।

जोनल निदेशिका राजयोगिनी आरती दीदी ने कहा कि कल्याण कारी ज्योतिर्बिन्दु परमात्मा हम मनुष्य आत्माओं पर ज्ञान, शक्ति, आनंद, प्रेम की वर्षा कर रहे हैं। परमात्मा हमें वरदान दे रहे हैं कि सभी का जीवन वरदानों से भरपूर हो जाए। परमात्मा कहते हैं कि सभी के प्रति सदा शुभभावना रखो। परमात्मा इस धरा पर आकर नारी के ऊपर ज्ञान का कलश रखते हैं और ब्रह्माकुमारी बहनों के द्वारा सत्य ज्ञान दे रहे हैं। शक्तिदाता शिव से शक्ति लेकर अपने जीवन को शक्तिस्वरूप बनाएं। यहां की तपोभूमि का कमाल है कि एक साथ सौ से अधिक ब्रह्माकुमारी बहने यहां से निकलीं और देशभर में ज्ञान वर्षा कर रहीं हैं।

स्वयं को जानना है तो ब्रह्माकुमारीज़ में जाना होगा

मुंबई से पधारे महामंडलेश्वर प्रेमानंद सरस्वती ने कहा कि यहाँ आज माघ पूर्णिमा के पहले ही ब्रह्माकुमारियों का कुंभ लगा दिया। आज यहाँ आकर साक्षात 108 बालब्रह्मचारिणी देवियों के दर्शन हो रहे हैं। ग्लोबल पीस हाल से राजिम वासियों को आत्म दर्शन का ज्ञान प्राप्त होगा। लोग अपने जीवन का कल्याण कर सकेंगे। स्वयं को ढूढ़ना बाकी है बाकी दुनिया का सारा ज्ञान तो गूगल पर मौजूद है। यदि हमें स्वयं को जानना है तो ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर जाना होगा। परमात्मा को जानना है तो यहाँ आकर श्रवण करें। संचालन बीके राखी बहन ने किया।

शोभायात्रा निकाली

- इंदौर से आए मप्र हाईकोर्ट के पूर्व न्यायमूर्ति बीडी राठी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ में स्वयं परमात्मा ज्ञान देते हैं। यहाँ राजयोग मेडिटेशन सीखकर हमारी विचारधारा बदल जाती है।
- नवापारा-राजिम क्षेत्र की संचालिका बीके पुष्पा दीदी ने कहा कि त्रिमूर्ति भवन और हाल ही में बनकर तैयार हुए ग्लोबल पीस हाल के निर्माण में सहयोग करने वाले सभी दानदाताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया।
- समारोह के पूर्व नगर में विशाल शोभायात्रा निकाली गई। इसमें लोक कलाकारों ने शानदार प्रस्तुति दी।
- राजिम क्षेत्र से निकली 200 से अधिक ब्रह्माकुमारी बहनों का साफा बांधकर सम्मान किया गया।

ये भी रहे मौजूद

राइस मिल एसोसिएशन अध्यक्ष गिरधारीलाल अग्रवाल, समाजसेवी डॉ. राजेन्द्र गदिया, स्वरूप चंद टाटिया, बीके सुनीता दीदी, बीके इंद्रा दीदी, बीके नलिनी दीदी, बीके ममता दीदी, बीके सागर, बीके रेवती दीदी, बीके बिंदु दीदी, धार्मिक प्रभाग के जोनल कोऑर्डिनेटर बीके नारायण भाई, बीके प्रिया बहन सहित क्षेत्र के 1500 से अधिक नागरिकगण मौजूद रहे।

मेडिटेशन के साथ सड़क सुरक्षा की दिलाई शपथ

शिव आमंत्रण, मौदा/महाराष्ट्र।

सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत मौदा टोल प्लाजा द्वारा सड़क सुरक्षा सप्ताह का शुभारंभ किया गया। इसमें ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान को आमंत्रित किया गया। सेवाकेंद्र संचालिका दीदी ने सभी को राजयोग मेडिटेशन का महत्व बताया। साथ ही ध्वजारोहण कर सड़क सुरक्षा के प्रति शपथ दिलाई गई।

इस दौरान टीम लीडर एनएचएआई रमेश, जनरल मैनेजर भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड महेश कस्तूरी, असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट रिटायर्ड कर्नल रवि इंटरनेशनल डिवीजन कल्पतरू पॉवर मौजूद रहे। साथ ही संघर्ष एकेडमी में में भी विद्यार्थियों को सड़क दुर्घटनाओं के प्रति जागृत किया गया। इसका लाभ 70 विद्यार्थियों ने लिया।

हमें वीरों की कुर्बानी का सम्मान करना चाहिए : बीके बसुधा

शिव आमंत्रण, कादमा (हरियाणा)।

ग्राम पंचायत तिवाला व ब्रह्माकुमारीज़ झोझूकलां-कादमा के संयुक्त तत्वावधान में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर तिवाला के ग्रामीण पुस्तकालय भवन में शहीद एवं सैनिक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि अमर क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद के पौत्र अमित आजाद उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि सेवाकेंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी वसुधा, कर्नल वीरेंद्र सिंह, चौधरी बलवान सिंह साहू,कप्तान रतन सिंह, महादेव बलाली ने सर्वप्रथम शहीदों की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इससे पूर्व सभी युवकों ने गाजे-बाजे के साथ व जय जवान जय किसान, वंदे मातरम के उद्घोष के साथ अमित आजाद सहित अन्य अतिथियों को आयोजन स्थल तक लेकर आए। आयोजक मास्टर सुनील तिवाला, अधिवक्ता अनिल साहू, किसान क्लब के प्रधान सतपाल सांगवान व अशोक सांगवान नवदीप ने सभी अतिथियों को बैज लगाकर व तिरंगा पट्टी के साथ अभिनंदन किया।

अमृता फडणवीस ने अंधेरी के बीएसईएस एमजी हॉस्पिटल के नवीनीकरण कार्य का किया उद्घाटन

शिव आमंत्रण, मुंबई।

दिव्याज फाउंडेशन की अध्यक्षा सुप्रसिद्ध अभिनेत्री तथा महाराष्ट्र के गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस ने अंधेरी के बीएसईएस एमजी हॉस्पिटल के जनरल वार्ड के नवीनीकरण का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मालदीव दूतावास के हार्मनी काउंसिल बॉबी मोहंती, हॉस्पिटल की प्रशासिका ब्रह्माकुमारी योगिनी, ब्रह्माकुमारी मीरा, ब्रह्माकुमार मोहन, दिव्याज फाउंडेशन के समन्वयक बीके डॉ. दीपक हरके, ब्रह्माकुमारी प्रतिभा उपस्थित थे।

हमारे अंदर सभी शक्तियां हैंः बीके रीना दीदी

शिव आमंत्रण, छतरपुर-मप्र।

हम स्वयं को सशक्त बनाएं किसी और को हमें सशक्त बनाने की आवश्यकता नहीं है। क्योंकि हमारे अंदर वह तमाम शक्तियां मौजूद हैं जो संसार के किसी दूसरे व्यक्ति में नहीं हैं। धैर्यता, नम्रता, झुकने का संस्कार, शालीनता, सहनशीलता जैसे गुणों का समावेश है हमारे अंदर तो देखिए अपने अंदर झांककर कि भगवान ने हम बच्चियों को बड़ा रुचकर बनाया है, तभी तो वह घर सूना है जिसमें बेटियां नहीं होती हैं। उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज किशोर सागर एवं महिला बाल विकास द्वारा राष्ट्रीय बालिका दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी रीना बहन ने व्यक्त किए। वन स्टॉप सेंटर प्रशासिका प्राची सिंह चंदेल ने बेटियों को अपनी हुनर को पहचान कर आगे बढ़ने के नुस्खे बताएं तो वहीं महिला प्रकोष्ठ प्रभारी एवं एसआई तबस्सुम खान ने महिलाओं को मिलने वाले अधिकार एवं बेटियों के लिए बनाए गए नए कानूनों के बारे में सभी को जानकारी दी। बालिकाओं ने नृत्य, स्पीच, कविता और बेटियों की महिमा से संबंधित गीत सुनाए। कुमारी निहारिका ने इंडियन नेशनल आर्मी में प्रथम महिला कैप्टन लक्ष्मी सहगल का किरदार निभाया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी राजीव सिंह, सहायक संचालक जितेंद्र गुप्ता, परियोजना अधिकारी मंजू जैन उपस्थित रहीं। बालिकाओं को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

सकारात्मकता सर्वोच्च शक्ति हैः बीके संतोष

शिव आमंत्रण, सेंट पीटर्सबर्ग/रूस।

ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र लाइट हाउस में 'श्री डॉट्स की शक्ति' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें संस्थान के संस्थापक पिताश्री ब्रह्मा बाबा की जीवन की कहानी पर आधारित नाटक के माध्यम से आदि देव की उपस्थिति का अनुभव कराया गया। इस दौरान सेवाकेंद्र प्रभारी बीके संतोष दीदी ने कहा कि ब्रह्मा बाबा के पूर्ण त्याग, तीव्र तपस्या और असीमित सेवा की याद दिलाते हुए जनवरी का महीना हमें चिंतन करने, तुलना करने और बाबा के पूर्णता के स्तर के करीब आने के लिए प्रेरित करता है। यह हमारे आस-पास के सभी लोगों को इस अद्वितीय व्यक्तित्व से परिचित कराने की हमारी हार्दिक इच्छा को भी पुष्ट करता है जो एक अव्यक्त फरिश्ता बन गए हैं। सकारात्मकता के सिर्फ एक उदाहरण की शक्ति पूरी दुनिया को बदलने के लिए एक ट्रिगर बन सकती है। बशर्ते कि सकारात्मकता सर्वोच्च शक्ति और आशीर्वाद से भरी हो। इस मौके पर आईपी, शिक्षाविद्, वैज्ञानिक, सामाजिक कार्यकर्ता और भारतीय समुदाय के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। वहीं बेलारूस के लगभग 20 भाई-बहनों के समूह द्वारा लाइट हाउस का विशेष श्रृंगार किया गया।

सड़क सुरक्षा रैली से दिया संदेश

शिव आमंत्रण, छतरपुर/मप्र।

ब्रह्माकुमारीज के किशोर सागर प्रांगण में यातायात प्रभाग एवं पुलिस प्रशासन द्वारा सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत लोगों को यातायात के नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए मोटर साइकिल जागरूकता रैली आयोजित की गई। इस दौरान खजुराहो सेवाकेंद्र प्रभारी बीके विद्या, एसपी सचिन शर्मा, छतरपुर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शैलजा मुख्य रूप से मौजूद रहीं।

आस्ट्रेलिया : भट्टी में पुरुषार्थ बढ़ाने की बताई विधि

शिव आमंत्रण, पोखरा/नेपाल। ब्रह्माकुमारीज के पश्चिम नेपाल की निदेशिका ब्रह्माकुमारी परिणीता दीदी और राजयोगी शैलेश भाई आध्यात्मिक टूर पर आस्ट्रेलिया पहुंचीं। जहां अनेक सेवाकेंद्रों पर बीके भाई-बहनों के लिए योग-तपस्या मेडिटेशन शिविर का आयोजन किया गया। आस्ट्रेलिया के क्यान्बेरा, वागा वागा, सिड्नी, सेन्ट्रल कोस्ट, मेलबर्न, एडिलेड, होबार्ट और ब्रिस्बेन में कार्यक्रम आयोजित किए गए। राजधानी क्यानबेरा में नेपाली राजदूत कैलाश राज पोखेल से दूतावास में मुलाकात की। दक्षिण आस्ट्रेलिया के एडिलेड के ओस्मोन्ड टेरेस, नरवुड में द रियल वेल्थ ऑफ लाइफ विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया।

ब्रह्मा बाबा के जीवन पर बनी फिल्म देखी

शिव आमंत्रण, सादाबाद (उप्र)। ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र पर संस्थापक पिताश्री ब्रह्मा बाबा का 53वां पुण्य स्मृति दिवस शांति दिवस के रूप में मनाया गया। ब्रह्ममुहूर्त से ही ब्रह्मावत्स साधकों ने योग-तपस्या व मौन साधना की। कार्यक्रम में तहसीलदार कीर्ति चौधरी, जिला उपाध्यक्ष भाजपा सुनील गौतम, बीके भावना, श्वेता मिश्रा, बीके सीमा ने पुष्पांजलि व श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में सभी ने प्रोजेक्टर द्वारा वीडियो के माध्यम से ब्रह्मा बाबा की जीवन कहानी पर बनी फिल्म देखी। बीके भावना ने ब्रह्मा बाबा के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला।

सहनशक्ति से चुनौतियों का सामना संभव

शिव आमंत्रण, रायपुर, छत्तीसगढ़। जेआरदानी कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कालीबाड़ी रायपुर में राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया। इसमें ब्रह्माकुमारी रूचिका ने कहा कि कभी भी अपने को साधारण मत समझो। आपके अन्दर अनेक शक्तियां छिपी हुई हैं। हमारे ही संकल्पों से हमारे भविष्य का निर्माण होता है। चुनौतियों का सामना करने के लिए हमें हर परिस्थिति में मुस्कुराना सीखना होगा। यह तभी सम्भव होगा जब हमारे अन्दर सहनशक्ति और आन्तरिक शक्ति होगी। ब्रह्माकुमारी सिमरन ने राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया। व्याख्याता कु. नीतू पवार, उप प्राचार्य डॉ. हितेश दीवान ने बहनों का स्वागत किया।

विधायक को बताया राजयोग का महत्व

शिव आमंत्रण, मुंगेर/बिहार। ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र पहुंचने पर विधायक प्रणव कुमार का स्वागत किया गया। इस मौके पर बीके संजय, बीके जयमाला और अन्य भाई बहन मौजूद रहे। बीके बहनों ने विधायक को राजयोग मेडिटेशन का महत्व बताया।

आध्यात्म से आती है सकारात्मक ऊर्जा

शिव आमंत्रण, राजगढ़/ब्यावरा/मध्य प्रदेश। ब्रह्माकुमारीज के शिव वरदान भवन राजगढ़ में युवा दिवस मनाया गया। नगर अध्यक्ष विनोद साहू ने कहा कि युवा अपने जीवन में हमेशा ऊंचे लक्ष्य की ओर ही बड़े और तब तक आगे बढ़ते रहें जब तक वह लक्ष्य प्राप्त ना हो। युवा मोर्चा संघ के अध्यक्ष केपी पवार ने कि युवाओं के अंदर नैतिक मूल्य एवं चारित्रिक उत्थान यदि हो सकता है तो एकमात्र ब्रह्माकुमारीज संस्था है। जहां मानव का सर्वांगीण विकास हो सकता है। डिप्टी डायरेक्टर शर्मिला डाबर, पार्षद प्रवीण मिश्रा एवं आईटीआई ट्रेनिंग ऑफिसर कपिल गुप्ता ने भी अपनी शुभकामनाएं दी। बीके मधु दीदी द्वारा ईश्वरीय सौगात भेंट की गई। साथ ही सभी को राजयोग मेडिटेशन का महत्व बताते हुए जीवन में अपनाने की सलाह दी।

हम सब आत्माओं के परमपिता परमात्मा एक ही हैं

शिव आमंत्रण, बिलासपुर(छग)।

बिलासपुर में आर्य समाज की स्थापना के 94 वर्ष पूरे होने पर चार दिवसीय वेद महोत्सव एवं वार्षिक उत्सव कार्यक्रम पाठशाला लाल बहादुर शास्त्री स्कूल प्रांगण में आयोजन किया गया। इसमें ब्रह्माकुमारीज से राजयोग भवन सेवाकेंद्र संचालिका बीके स्वाति दीदी को भी आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम में स्वाति दीदी ने कहा कि यह धर्म आदि तो मानव ने ही बनाया है। वास्तव में हम सब आत्माएं हैं और हम सब आत्माओं के परमपिता परमात्मा एक ही हैं। एक पिता की संतान होने के नाते आपस में हम सभी भाई-भाई हैं। एक परिवार हैं। यह एक ईश्वर का परिवार है, इसे ही वसुधैव कुटुम्बकम् कहते हैं। जिस दिन हम यह समझ जाएंगे तो हमें किसी से कोई नफरत या घृणा नहीं होगी। सभी के लिए प्रेम स्नेह का भाव होगा। हमारी आदि सनातन संस्कृति हमें प्रेम करना सिखलाती है। जिसके यादगार के रूप में शेर और गाय भी एक ही घाट में पानी पीते थे। अब पुनः अपनी उस दैवी संस्कृति को अपना कर भारत को स्वर्ग बनाना है।

महोत्सव में सनातनी हिंदू संगठनों का सम्मान किया गया। इसके साथ ही बीके स्वाति दीदी का शॉल, श्रीफल, पुष्पगुच्छ एवं साहित्य देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम संयोजक सौमित्र गुप्ता, आर्य समाज के प्रधान ज्योतिर्मय आर्य, उप प्रधान सुधीर गुप्ता, वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ ललित मखीजा आदि उपस्थित थे।

भारतीय संस्कृति दया-करुणा का भाव सिखाती है

शिव आमंत्रण, खजुराहो/मप्र।

जीवन में दया और करुणा का बहुत महत्व है। प्राणी मात्र के लिए दया का भाव रखना हमारी भारतीय संस्कृति में सिखाया गया है। आज बदलते परिवेश में सबसे ज्यादा आवश्यकता दया करुणा के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण की है। इस आध्यात्मिक सशक्तिकरण की नींव रखने वाले ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा जिनका हर वर्ष 18 जनवरी को पुण्य स्मृति दिवस विश्व शांति दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनके त्याग तपस्या के बल पर ही यह संस्था दिन दूनी, रात चौगुनी वृद्धि कर रही है और अनवरत मानवता की सेवा में लगी हुई है।

उक्त उद्गार छतरपुर सेवा केंद्र प्रभारी राजयोगिनी शैलजा बहन ने व्यक्त किए। ब्रह्माकुमारी के भवन 'शिवालय' के दस वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में वार्षिक उत्सव मनाया गया। मुख्य अतिथि सीआईएसफ डायरेक्टर उर्वशी, व्यापार मंडल अध्यक्ष नरेश सोनी, सीएमओ बसंत चतुर्वेदी, अध्यक्ष अरुण अवस्थी,मिंट बुंदेला होटल ऑनर पृथ्वी सिंह, नौगांव रानी साहिबा माया सरवानी, होटल लेक साइड ऑनर अविनाश तिवारी, इंडिया होटल ओनर जमुना प्रसाद मिश्रा, पत्रकार सुनील पांडे, समाजसेवी रामगोपाल शर्मा, समाजसेवी कमलेश उपाध्याय, वरिष्ठ पत्रकार राजीव शुक्ला, पत्रकार तुलसीदास सोनी, पत्रकार विनोद भारती, अधिवक्ता संघ अध्यक्ष वीरेंद्र तिवारी, भाजपा जिला मंत्री संजय रैकवार जी, अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ अध्यक्ष राममिलन आदिवासी जी, जटकरा से पार्षद दुर्गा पटेल, बिजनेसमैन परवेंद्र अग्रवाल, सीआईएसएफ के जवान,नौगांव सेवाकेंद्र प्रभारी राजयोगिनी नंदा बहन अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। शुरुआत बीके रजनी, नीरजा, रचना बहन द्वारा गमछा, बैज, तिलक द्वारा अतिथियों के सम्मान एवं उनके स्वागत से की गई तत्पश्चात बहन सरिता सिंह द्वारा स्वागत नृत्य की प्रस्तुति दी गई। खजुराहो सेवाकेंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी विद्या बहन जी ने स्वागत किया।

पत्रकारिता भारत को समृद्ध बनाने में उत्कृष्ट योगदान दे सकती है

शिव आमंत्रण, फरीदाबाद।

ब्रह्माकुमारीज के सेक्टर 16 में स्थित राजकीय महिला महाविद्यालय और डीएवि महाविद्यालय फरीदाबाद में एक दिवसीय कार्यशाला अखिल भारतीय समाधान मूलक पत्रकारिता अभियान के अंतर्गत आयोजित की गई। जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग के प्राध्यापक डॉक्टर सुरेश वर्मा ने पत्रकारिता विद्यार्थियों को सकारात्मक रिपोर्टिंग के बारे में बताते हुए भारतीय संस्कृति व मूल्यबोध के ऊपर बनी शिक्षाप्रद वीडियो दिखाई। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के पाठ्यक्रम में भारतीय मूल्यबोध एवं आध्यात्मिकता का पुट जरूरी है। तभी भारत के पत्रकार और पत्रकारिता मानव जीवन, प्रकृति और पर्यावरण को स्वस्थ, स्वच्छ और समृद्ध बनाने में उत्कृष्ट सकारात्मक योगदान दे सकते हैं।

मीडिया विंग के नेशनल को-ऑर्डिनेटर बीके सुशांत भाई ने बताया कि पत्रकारिता में आध्यात्मिकता का समावेश जरूरी है। अगर मीडिया को समाधान परक बनाना है, तो मीडिया प्रोफेशनल्स को अपने व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक जीवन में अध्यात्मिक मूल्य, सकारात्मक चिंतन, राजयोग ध्यान तथा सादा, स्वस्थ और सात्विक जीवन शैली को अपनाना होगा। बीके मधु दीदी ने बताया कि पत्रकारों के संघर्षमय जीवन में चिंता, भय व तनाव को दूर करने के लिए रोज सुबह करीब 30 मिनट राजयोग का अभ्यास व अनुभव करना आवश्यक है। वरिष्ठ पत्रकार रामरतन नर्वत ने कहा कि राजयोग के अभ्यास से ही चुनौतियों का सामना करने की शक्ति प्राप्त की जा सकती है। प्राचार्या डॉ. सविता, विभाग अध्यक्ष डॉक्टर शालिनी ने भी संबोधित किया। संचालन काजल गौछवाल ने किया।

स्वामी रामदेव ने ब्रह्माकुमारीज़ की सराहना की

शिव आमंत्रण, भीनमाल (राज.)। भीनमाल में नीलकंठ महादेव मंदिर की प्रतिष्ठा में पधारे योगगुरु स्वामी रामदेव बाबा से ब्रह्माकुमारी गीता की मुलाक़ात हुई। हजारों लोगों के बीच योगाभ्यास करते समय मंच पर बाबा रामदेव ने ब्रह्माकुमारीज द्वारा की जा रहीं सेवाओं को सराहा। इस दौरान विश्व शान्ति मिशन के संस्थापक जैन मुनि लोकेशजी, कथा वाचक मुरलीधर महाराज, वाराह इन्फ्रा लिमिटेड के मालिक प्रेमसिंह राव, खुशवंत सिंह राव, जगदेव सिंह राव भी मौजूद रहे।

बीके स्वाति 'छत्तीसगढ़ गौरव सम्मान' से सम्मानित

शिव आमंत्रण, बिलासपुर (छग)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, राजयोग भवन की संचालिका बीके स्वाति दीदी को 'छत्तीसगढ़ गौरव सम्मान' दिया गया। उनके द्वारा समाज में उत्कृष्ट सेवा, कोरोना काल में सेवा, जल एवं प्रकृति संरक्षण के लिए किए जा रहे कार्यों के लिए राष्ट्रीय व्यापार मेले में अटल बिहारी वाजपेई विश्वविद्यालय बिलासपुर के कुलपति एडीएन वाजपेई, शहीद नंद कुमार पटेल विश्वविद्यालय रायगढ़ के कुलपति ललित पटेरिया, सीवी रमन विश्वविद्यालय के कुलपति आरपी दुबे, स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त संचालक डॉ प्रमोद महाजन, मंडी अध्यक्ष राजेंद्र शुक्ला द्वारा मोमेंटो देकर 'छत्तीसगढ़ गौरव सम्मान' से सम्मानित किया गया।

महाशिवरात्रि महोत्सव पर सजाई झांकी

शिव आमंत्रण, रायपुर(छग)। ब्रह्माकुमारीज के विधानसभा मार्ग स्थित शान्ति सरोवर परिसर में महाशिवरात्रि महोत्सव के तहत 300 फीट लंबी गुफा के अंदर द्वादश ज्योतिर्लिंग दर्शन और शिवलिंग के होलोग्राम शो का आयोजन किया गया। महोत्सव का शुभारंभ अपर कलेक्टर उज्जवल पोरवाल, क्षेत्रीय निदेशिका ब्रह्माकुमारी हेमलता दीदी, ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने दीप प्रज्वलित कर किया। इसमें स्वर्णिम युग की झाँकी, शिव दर्शन आध्यात्मिक प्रदर्शनी, 40 फीट ऊंचा शिवलिंग और वेल्यू गेम्स आदि बनाए गए हैं।

जेल कारागृह नहीं बल्कि सुधारगृह है : बीके भगवान

शिव आमंत्रण, चित्तौड़गढ़/राजस्थान। यह कारागृह नहीं, बल्कि सुधारगृह है। इसमें आपको स्वयं में सुधार लाने हेतु रखा हुआ है, शिक्षा देने हेतु नहीं। इस कारागृह को संस्कार परिवर्तन का केंद्र बना लो इसमें एक-दूसरे से बदला लेने के बजाए स्वयं को बदलना है। बदला लेने से समस्या और ही बढ़ जाती है । उक्त उद्गार माउंट आबू से पधारे ब्रह्माकुमारी बीके भगवान भाई ने व्यक्त किए। वे जिला कारागृह (जेल) में बंद कैदियों को कर्म गति और व्यवहार शुद्धि विषय पर बोल रहे थे। मैं यहां आकर क्या कर रहा हूं? ऐसी बातों का चिंतन करने से संस्कार, व्यवहार परिवर्तन होगा। बीके आशा ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

समाधानमूलक पत्रकारिता समय की मांग

शिव आमंत्रण, नरसिंहपुर(मध्य प्रदेश)।

तन, मन, धन का संतुलन आध्यात्मिक मानसिकता से ही संभव है। आध्यात्मिक ज्ञान हमें तनाव मुक्त एवं उत्साहित बनाता है। मर्यादित जीवन का आधार भी आध्यात्मिकता ही है। यह विचार भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) के महानिदेशक प्रो. डॉ. संजय द्विवेदी ने नरसिंहपुर जिले में ब्रह्माकुमारीज द्वारा आयोजित मीडिया सम्मेलन को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। प्रो. द्विवेदी के अनुसार वर्तमान परिदृश्य में आध्यात्मिकता का ह्रास हुआ है। आज पत्रकार स्वयं में तनावग्रस्त हैं। आध्यात्मिकता के बिना हमारे जीवन से शांति, सहयोग, सुख, करुणा आदि मूल्य समाप्त हो रहे हैं। आध्यात्मिकता को अपनाकर पत्रकार अपनी कार्यक्षमता बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत में संवाद और शास्त्रार्थ की परंपरा रही है, क्योंकि संवाद कभी नकारात्मक नहीं होता। उसके माध्यम से मानवता के सामने उपस्थित हर सवाल के उत्तर पाए जा सकते हैं। हमें पत्रकारिता का भारतीयकरण और समाज का आध्यात्मीकरण करना होगा। आध्यात्मिक और नैतिक मूल्यों के बिना कोई भी समाज न तो प्रगति कर सकता है और न ही सुखी रह सकता है। हमें समाज के संकटों के निदान खोजने के लिए समाधानमूलक पत्रकारिता की ओर बढ़ना होगा।

राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी विमला दीदी ने कहा कि पत्रकार समाज का जिम्मेदार नागरिक होता है। मीडिया के साथी समस्याओं के साथ उनका उचित समाधान भी समाज के सामने पेश करें। माउंट आबू से पधारे संस्थान के पीआरओ व मधुबन न्यूज के संपादक ब्रह्माकुमार कोमल भाई ने पत्रकारिता को एक नोबेल प्रोफेशन बताते हुए पत्रकारों को उनकी गरिमा और देश व मानवता के लिए उनके उत्कृष्ट योगदान का स्मरण कराया। उन्होंने कहा कि यदि पत्रकार दृढ़ संकल्प कर लें तो मूल्यनिष्ठ पत्रकारिता के अपने उद्देश्य पर अडिग रहते हुए पत्रकारिता कर सकते हैं। आद देश में ऐसे अनेकों उदाहरण भरे परे हैं जब पत्रकारों ने तमाम प्रलोभनों के बाबजूद अपने मूल्यों से समझौता नहीं किया।

भोपाल से पधारीं मीडिया विंग की जोनल को-ऑर्डिनेटर ब्रह्माकुमारी डॉ. रीना दीदी ने कहा कि पत्रकारिता में आध्यात्मिकता का प्रवेश करके ही पत्रकार समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

सेवाकेंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी कुसुम ने उपस्थित सभी पत्रकारों से कहा कि आध्यात्मिकता के द्वारा आत्मबल बढ़ाना होगा। आत्मशक्ति को जागृत करते हुए पत्रकार अपने खोए हुए सुख और शांति को प्राप्त कर सकते हैं।

कार्यक्रम में बाल कलाकारों ने 'जनता की अदालत' लघु नाटिका द्वारा मीडिया की समाज में भूमिका को प्रदर्शित किया। इस अवसर पर उपस्थित पत्रकारों का सम्मान शॉल एवं प्रशस्ति पत्र से किया गया। आभार प्रदर्शन अजय नेमा ने किया।

उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023

ब्रह्माकुमारीज़ का स्टाल बना आकर्षण का केंद्र

शिव आमंत्रण, लखनऊ। इस लखनऊ में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया गया। इसमें 18 देशों और भारत के कोने-कोने से 15000 से अधिक डेलीगेट्स पधारे। समिट के हाल नंबर 3 में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा स्वर्णिम भारत का आधार शाश्वत यौगिक खेती का स्टाल लगाया गया है। यह स्टाल सभी के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। स्टाल का अवलोकन करने कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, संजय निषाद, अनिल राजभर, राज्य मंत्री डॉ. अरुण कुमार, जसवंत सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, आईएएस संजय भुसरेड्डी, मुकेश मेश्राम, नीति आयोग के कई अधिकारी और कई कम्पनियों के निदेशक पहुंचे। स्टाल के संचालन में त्रिपाठी नगर सेवाकेंद्र इंचार्ज इंद्रा दीदी, बीके राधा दीदी, बीके बद्री विशाल का विशेष योगदान रहा।

डेढ़ किमी लंबी शिवरात्रि कार्निवल रैली निकाली

शिव आमंत्रण, घाटकोपर/मुंबई।

ब्रह्माकुमारीज़ के योग भवन मुंबई घाटकोपर सबज़ोन द्वारा "शिवरात्रि कार्निवल रैली" के साथ 87वीं शिव जयंती महोत्सव की शुरुआत की गई। योग भवन से ब्रह्माकुमारीज़ पीस पार्क तक रैली निकाली गई। इसमें स्कूल-कॉलेज के बच्चे, युवा, विभिन्न सामाजिक समूहों के भाई- बहन और ब्रह्माकुमारीज़ के भाई-बहनें लेजिम और बैंड बाजे के ताल पर बड़े उमंग-उत्साह से सम्मिलित हुए। साथ ही कलश लेकर माताएं, साफा पहने भाई, गाड़ियों पर 12 ज्योतिर्लिंगम दर्शन आदि से रैली शोभायमान हुई।

1.7 कि.मी लंबी मेगा रैली में लगभग दो हजार से अधिक प्रतिभागी थे। इसमें चार रथ भी शामिल रहे। एक रथ में 'शिवलिंग' था, दूसरे रथ में दिखाया गया था कि कैसे शिव परमपिता परमात्मा सभी धर्मों के आत्माओं के पिता हैं, तीसरे रथ में शिवरात्रि के महत्व (अज्ञान रात्रि से ज्ञान प्रकाश की ओर यात्रा) को संदर्भित किया और चौथे रथ में स्वर्ग को चित्रित किया गया।

घाटकोपर उप-क्षेत्र की निदेशिका राजयोगिनी बीके डॉ. नलिनी

दीदी ने कहा कि सभी पर्वों में महाशिवरात्रि का पर्व सबसे महान पर्व है। यह पर्व परमात्मा के दिव्य अवतरण का यादगार है। मीडिया प्रभाग के राष्ट्रीय समन्वयक राजयोगी ब्रह्माकुमार निकुंज, राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी शकू दीदी, ब्रह्माकुमारी विष्णु बहन ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। समापन पर "गुडी बैग्स" दिए गए और सात्विक भोजन कराया गया।

क्रिएटिंग हॉर्मनी इन रिलेशनशिप पर वार्ता आयोजित

शिव आमंत्रण, विले पार्ले-मुंबई। ब्रह्माकुमारीज के विले पार्ले पश्चिम मुंबई में बीके चार्ली भाई द्वारा आध्यात्मिक वार्ता की एक श्रृंखला का आयोजन किया। इसमें 500 से अधिक भाई-बहनों ने भाग लिया। साथ ही ब्रह्माकुमारीज़ विराज मैनेजमेंट सेंटर, बोईसर में 'क्रिएटिंग हार्मनी इन रिलेशनशिप' विषय पर एक वार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नीरज कोचर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, विराज प्रोफाइल्स लिमिटेड ने की। बीके योगिनी दीदी की उपस्थिति में विले पार्ले वेस्ट सेंटर मुंबई में बीके चार्ली भाई द्वारा 'शांत और संकट' पर सत्र आयोजित किया गया था। पंचगनी के स्वीट मेमोरीज हाई स्कूल में 'इनर लीडरशिप' पर भी एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बड़ी संख्या में स्कूली विद्यार्थियों ने भाग लिया।

12 द्वादश ज्योतिर्लिंग दर्शन के लिए उमड़ी आस्था

शिव आमंत्रण, भाडुंप/मुंबई। ब्रह्माकुमारी भांडुप पश्चिम सेवाकेंद्र द्वारा महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में द्वादश ज्योतिर्लिंग आध्यात्मिक मेला आयोजित किया गया। इसका मुख्य आकर्षण 12 द्वादश ज्योतिर्लिंग दर्शन, युग परिवर्तन की झांकी रही। मेले का उद्घाटन करने कमांडर सर्जन दीप कमल ठाकुर, नेवल हॉस्पिटल पवई एनसीएच कॉलनी, कमांडर सर्जन वैदेही ठाकुर, नेव्हल हॉस्पिटल पवई एनसीएच कॉलनी और भांडुप पश्चिम सेवा केंद्र की संचालिका डॉक्टर ब्रह्माकुमारी लाजवंती बहन ने किया। रोजाना मेले में झांकी के दर्शन करने के लिए आसपास से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे।

आध्यात्मिकता से ही संभव है परमात्मा की प्राप्ति

शिव आमंत्रण, बड़ोदरा। अलकापुरी बड़ोदरा सबज़ोन द्वारा 87वीं महाशिवरात्रि शिव जयंती महोत्सव के तहत संत सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें संतश्री ज्योतिश्वर महाराज ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्था पूरे विश्व में आध्यात्मिक शक्ति का प्रबल केंद्र है। परमात्मा की प्राप्ति केवल आध्यात्मिकता से ही संभव है। ज्ञान तो हमें संत-महात्माओं से मिलता है पर व्यावहारिक प्रैक्टिकल जीवन में उसको उतारने से ही फायदा है।

संत महेंद्र भाई ने कहा कि ये देवासुर संग्राम चल रहा है। जैसे देवत्व बढ़ता जा रहा है, वैसे ही आसुरी कार्य भी बढ़ता जा रहा है। मुझे इस संस्था में पवित्रता की बात बहुत अच्छी लगती है। पवित्रता के बिना मन एकाग्र नहीं हो सकता। अब कलयुग पूरा हो सतयुग अवश्य आएगा।

संत रामकरणदास महाराज ने कहा कि स्थूल साधनों से वैराग्य बहुत जरूरी है। ज्ञान, भक्ति और योग मार्ग से व्यक्ति अपना कल्याण कर सकता है। सांसारिक कार्य करते हुए मन भगवान में लगा रहना चाहिए।

बीके डॉ. निरंजना दीदी ने कहा कि आज कलयुग अपनी चरमसीमा पर पहुंच चुका है। मानवमात्र के मन से परमात्मा के लिए पुकार उठती है। अभी स्वयं निराकार परमपिता परमात्मा शिव आ चुके हैं। वह प्रजापिता ब्रह्मा के साकार माध्यम द्वारा ज्ञान और राजयोग सिखा रहे हैं। मानव देव बन रहा है और भारत स्वर्णिम बनेगा। संचालन बीके नरेंद्र भाई ने किया।

नौ दिवसीय 'अलविदा तनाव' कार्यक्रम आयोजित, मुख्य वक्ता बीके पूनम दीदी ने कहा-

अपनी खुशी का कारण बनें, नकारात्मक ऊर्जा को सदा के लिए अलविदा कह दें

शिव आमंत्रण, राजकोट/गुजरात।

भौतिक सुख-सुविधाओं के पीछे भाग रहे लोग अपनी सुविधाओं में तो वृद्धि कर ही रहे हैं, लेकिन साथ ही उनके जीवन में चिंता, दुख और नकारात्मक विचार भी बढ़ रहे हैं। जीवन में सच्ची शांति का अनुभव करने और सकारात्मक विचारों से जीवन को आनंदमय बनाने के उद्देश्य से प्रजापिता ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय ने शास्त्री मैदान में नौ दिवसीय कार्यक्रम की शुरुआत की। जिसमें विधायक दर्शितबेन शाह, रमेशभाई तिलाला, मेयर प्रदीपभाई कबूतर, वजुभाई वाला, कलेक्टर अरुण महेश बाबू, गुणवंतभाई देलावाला सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। मुख्य वक्ता ब्रह्माकुमारी पूनम दीदी ने 'चिंता मुक्त जीवन शैली' विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि 'चिंता मुक्त जीवन शैली' के लिए हर दिन सबसे पहले खुशी का आह्वान करना आवश्यक है। परिस्थितियों को बदलने के लिए विचारों को बदलना जरूरी है। जब हम अपनी स्थिति में ठंडे रहेंगे तो स्थिति भी हमेशा के लिए अच्छी हो जाएगी। भौतिक साधनों में क्षणभंगुर सुख होता है। आध्यात्म से किया गया हर कर्म सच्चा सुख देता है। हम अपने लिए एक अच्छी भावना रखते हुए अपनी खुशी का कारण बनें और नकारात्मक ऊर्जा को अलविदा कहें और तनाव मुक्त हो जाएं।

नेपाल: रक्तदान-आंख परीक्षण शिविर आयोजित

शिव आमंत्रण, वीरगंज-नेपाल। युवा प्रभाग वीरगंज द्वारा एक दिवसीय रक्तदान शिविर तथा किरण आँखों के अस्पताल के सहकार्य में निःशुल्क नेत्र परीक्षण किया गया। इस मौके पर सेवाकेंद्र निदेशिका ब्रह्माकुमारी रबीना दीदी, रक्त संचार केन्द्र वीरगंज के संयोजक तथा रेडक्रस सोसायटी पर्सा के उपसभापति मधु राणा, किरण आँखों के अस्पताल के संचालक डॉ. अमर क्याल, बार एसोसिएसन पर्सा के अध्यक्ष ओम प्रकाश गुप्ता, सामुदायिक सेवा केन्द्र छपकैया के अध्यक्ष ग्यासुद्दिन ठकुराइ, छपकैया की संचालिका बीके बेली मुख्य रूप से मौजूद रहे।

ब्रह्माकुमारीज़ : तीन दिवसीय मेंटर एंड फिज़ीकल हेल्थ फेस्टिवल का आयोजन

सकारात्मक चिंतन और ध्यान की विधि बताई

शिव आमंत्रण, टिकरापारा-बिलासपुर।

सीएमडी कॉलेज के मैदान में आयोजित इस त्रि-दिवसीय कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज का महत्वपूर्ण योगदान रहा। छग योग आयोग की पूर्व सदस्य रहीं टिकरापारा सेवाकेन्द्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी मंजू दीदी ने स्कूली बच्चों एवं योग साधकों को सकारात्मक चिंतन, योग, आसन, प्राणायाम व ध्यान की विधियों एवं उनसे होने वाले लाभों के बारे में अवगत कराया। साथ ही यौगिक जॉगिंग एवं युवाशक्ति का उमंग बढ़ाने वाले ब्रह्माकुमारीज के गीतों के माध्यम से म्यूजिकल एक्सरसाइज का भी अभ्यास कराया गया।

इन तीन दिनों में योग सत्र के साथ-साथ महिला सुरक्षा, यातायात जागृति एवं मैराथन का भी आयोजन किया गया। बिलासपुर हास्य क्लब, सेन्ट जेवियर स्कूल, विनर्स वैली स्कूल एवं अन्य योग संस्थानों के सदस्यों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में बिलासपुर के विधायक शैलेष पाण्डे, पूर्व महापौर वाणी राव, अपर आयुक्त नगर निगम राकेश जायसवाल, पूर्व महापौर राजेश पांडेय, विकास प्राधिकरण के पूर्व अनिल टाह, कांग्रेस के प्रदेश पर्यटन मंत्री अटल श्रीवास्तव, एरीना मल्टीमीडिया के डायरेक्टर संदीप गुप्ता, रक्षा टीम की प्रभारी दुर्गा पटेल, पूर्व विधायक चन्द्रप्रकाश वाजपेयी, अध्यक्ष क्रेडाई अजय श्रीवास्तव जी, योग आयोग के जिला प्रभारी अविनाश दुबे सहित मास्टर योग प्रशिक्षक गण की उपस्थिति रही। कार्यक्रम संयोजक योग आयोग सदस्य रविन्द्र सिंह भी मौजूद रहे।

परमात्मा ही सच्चा सौदागर है: बीके हेमलता दीदी

शिव आमंत्रण, रतलाम- मप्र।

जब हम अपने अंदर की बुराई रूपी कचरे को साफ करते हैं तभी परमात्मा शिव प्रसन्न होकर सर्व गुणों एवं सर्व खजानों से हमारी झोली भरपूर करते हैं। यह बात इंदौर जोन की क्षेत्रीय निदेशिका ब्रह्माकुमारी हेमलता दीदी ने कही। ब्रह्माकुमारीज के डोंगरे नगर स्थित दिव्य दर्शन भवन सेवाकेंद्र पर 87वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव मनाया गया। उन्होंने कहा कि परमात्मा के साथ हमें सच्चा सौदा करना है, वही सच्चा सौदागर है।

महापौर प्रहलाद पटेल ने कहा कि यहां से हमें बहुत ही शांति के वाइब्रेशन मिलते हैं जो आज मनुष्य के लिए सबसे ज्यादा आवश्यक हैं। हमारे अंदर जो होता है वही हम दूसरों को देते हैं यहां हमें ज्यादा कुछ नहीं मिलता लेकिन जो मिलता है वह बहुत ही अमूल्य होता है जो हमारे संपूर्ण जीवन को खुशियों से भर देता है। ब्रह्माकुमारी अनीता दीदी ने ने 21 दिवसीय 'माय गिफ्ट टू गॉड' प्रोजेक्ट के बारे में बताया। इस दौरान सभी अतिथियों ने शिव का ध्वज फहराया। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सविता दीदी ने सभी को प्रतिज्ञा कराई।

विश्व कल्याण में ब्रह्माकुमारीज़ की भूमिका महत्वपूर्ण

शिव आमंत्रण, जबलपुर- मप्र। ब्रह्माकुमारीज के उपसेवाकेंद्र आधारताल में आयोजित त्रिमूर्ति शिवजयंती महोत्सव में जगत बहादुर सिंह (अन्नू) ने कहा ब्रह्माकुमारी समाज के कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। पूर्व क्षेत्र के विधायक लखन घनघोरिया ने भी संबोधित किया। सेवाकेंद्र संचालिका भावना दीदी ने शिवरात्रि महोत्सव का महत्व बताया। यूरो किड्स के डायरेक्टर पूजा जैसवानी, आकर्षण कला केंद्र की संचालिका मंजूषा श्रीवास्तव, महाकौशल नगर की पार्षद अंजना मनीष अग्रहरि, मनीष अग्रहरि उपस्थित रहे। डॉ. एसके पांडे ने संस्था का परिचय दिया। डॉ. श्याम रावत ने भी विचार व्यक्त किए।

चैलेंज इन हैप्पी लाइफ के बारे में बताया

शिव आमंत्रण, कुरुक्षेत्र। ब्रह्माकुमारीज के यूथ विंग के अंतर्गत पुलिस लाइन कुरुक्षेत्र में चैलेंज इन हैप्पी लाइफ' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मुख्य वक्ता बीके अरुण, बीके राधा, बीके मधु, बीके कर्ण और पुलिस लाइन प्रबंधक कर्ण सिंह मौजूद रहे।

परमात्मा अलौकिक जन्म लेकर होते हैं अवतरित

शिव आमंत्रण, संभल। नगर के दुर्गा कॉलोनी में स्थित ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र पर शिवजयंती पर्व के उपलक्ष्य में परमात्मा शिव का ध्वज फहराया गया। मुख्य अतिथि भाजपा नगर अध्यक्षा शिल्पी गुप्ता, राजयोगिनी आशा दीदी, राजयोगिनी सरला दीदी ने ध्वजारोहण किया। तृषा ठाकुर ने झूम झूम हर कली बार-बार कह चली स्वागत गीत पर सुंदर नृत्य कर सभी का मन मोहा। मुरादाबाद से आई ब्रह्माकुमारी आशा दीदी ने कहा कि विश्व की सभी महान विभूतियों के जन्म उत्सव मनाये जाते हैं। लेकिन परमात्मा शिव की जयंती को जन्मदिन ना कहकर शिवरात्रि कहा जाता है आखिर क्यों? इसका अर्थ है परमात्मा जन्म मरण से न्यारे हैं। उनका किसी महापुरुष या देवता की तरह शारीरिक जन्म नहीं होता है। वह अलौकिक जन्म लेकर अवतरित होते हैं उनकी जयंती कर्तव्य वाचक रूप से मनाई जाती है। इस दौरान बीके सावित्री, सपना,मंजू ,पुष्पा अलका संगीता, प्रेमलता,चंचल,राधा, लता, बबीता, कुसुम, चेतन, प्रदीप रस्तोगी, परमवीर सिंह, हरनाम सिंह मौजूद रहे।

जीवन की बुराइयां शिव पर अर्पण करना ही सच्ची शिवरात्रि मनाना

तपोवन परिसर में धूमधाम से मनाया गया 87वीं शिव जयंती महोत्सव

सभी को ये प्रतिज्ञाएं कराई गईं

- सदा साक्षीदृष्टा स्थिति द्वारा हर परिस्थिति में अचल-अडोल रहेंगे।
- शुभभावना-शुभकामना के मंत्र द्वारा रह आत्मा को संतुष्ट करते हुए सदा संतुष्ट रहेंगे।
- मीठे बोल और मुस्कुराते हुए चेहरे द्वारा हर आत्मा के साथ मधुरता पूर्ण व्यवहार करेंगे।
- करनकरावन हार की स्मृति में रह कर्मयोगी जीवन का एग्जापल बनकर दिखाएंगे।
- अपनी सूक्ष्म वृत्तियों को भी पवित्र बनाकर वायुमंडल को पवित्र बनाएंगे।
- संगमयुग के समय और संकल्प शक्ति की बचत कर सदा समर्थ स्थिति में रहेंगे।

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की तपोवन परिसर में सोमवार को 87वीं शिव जयंती महोत्सव के तहत शिव ध्वजारोहण किया गया। मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी और अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी जयंती दीदी ने झंडावंदन कर मौजूद सभी भाइयों बहनों को संकल्प कराया। साथ ही शिवरात्रि का आध्यात्मिक महत्व बताया।

इस मौके पर मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि सभी पर्वों में शिवरात्रि का महापर्व सबसे महान है। यह पर्व हम परमात्मा शिव के अवतरण के रूप में मनाते हैं। परमात्मा कहते हैं कि मेरे बच्चों मन को मुझ में लगाओ। जीवन की बुराइयां शिव पर अर्पण करना ही सच्ची शिवरात्रि मनाना है। परमात्मा के ध्यान से ही आत्मा में दिव्यता और पवित्रता आएगी। आज से 87 वर्ष पूर्व परमात्मा ने प्रजापिता ब्रह्मा बाबा के तन का आधार लेकर इस विश्व परिवर्तन के कार्य की नींव रखी थी।

अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी जयंती दीदी ने कहा कि परमात्मा शिव के अवतरण के यादगार पर्व महाशिवरात्रि का यही संदेश है कि हम सभी अपने जीवन की कांटे के समान चुभने वाली बातें, गलत आदतें, गलत संस्कार उन्हें अर्पण कर मुक्त हो जाएं। जैसे कोई दान की गई वस्तु हम पुनः वापस नहीं लेते हैं वैसे ही हमें जो चीज शिव बाबा को अर्पित कर दी उसे फिर वापस नहीं लेना है। ग्लोबल हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. प्रताप मिड्ढा ने कहा कि ब्रह्माकुमार भाईयों के अथक प्रयासों से बंजर भूमि को भी हरा-भरा कर दिया। आज तपोवन परिसर पेड़-पौधों से लहलहा रहा है। यहां हर तरह के पेड़-पौधे हैं। पर्यावरण संरक्षण का यह बेहतरीन उदाहरण है।

इस मौके पर वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके चक्रधारी, बीके हंसा बहन, बीके नीलू बहन, वरिष्ठ चिकित्सिक डॉ. सतीश गुप्ता सहित बड़ी संख्या में शांतिवन निवासी बीके भाई-बहनें मौजूद रहे।

वेंकटेश नगर एक्सटेंशन सेवाकेंद्र की रखी नींव

शिव आमंत्रण, इंदौर-मप्र

इंदौर के वेंकटेश नगर एक्सटेंशन सेवाकेंद्र द्वारा भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। इसमें कालानी नगर सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके जयंती दीदी ने कहा कि यहाँ जो भवन बनेगा, वहां आकर सभी मनुष्य मात्र शांति, सुख व श्रेष्ठ जीवन यापन के लिए मार्ग प्राप्त करेंगे, साथ ही अपने जीवन को उज्जवल बनाने की दिशा प्राप्त करेंगे। इसके बाद हेमलता दीदी ने कहा कि यहां बनने जा रहा 'प्रभु उपहार भवन' मानो प्रभु परमात्मा ने ही आने वाले शिवरात्रि के उपलक्ष्य में भेंट स्वरूप प्रदान किया है। यहाँ निर्माण होने वाला भवन ईंट व पत्थर का भवन नहीं, अपितु भगवान का मंदिर होगा, ज्ञान-योग-तपस्या का मंदिर होगा। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने ब्रह्माकुमारी संस्था की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह एक ऐसी संस्था है जो मातृ शक्ति द्वारा संचालित आत्मा की शक्ति को जागृत करके व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण का जो कार्य कर रही है। समाज को एक सूत्र में बांधने का कार्य कर रही है। साथ ही भूमि पूजन की शुभकामनाएं प्रदान की। राष्ट्रीय कवि सत्यनारायण

सत्तन ने कहा कि यहां बनने वाला भवन निःसंदेह शांति व प्रभु कृपा का आधार बनकर हमें सतप्रेरणा प्रदान करेगा। इंदौर विकास प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष कृपाशंकर शुक्ला ने भी विचार व्यक्त किए। संचालन रामबाग सेवाकेंद्र प्रभारी बीके छाया दीदी ने किया।

ड्रग डी-एडिक्शन स्टाल में नि:शुल्क दवाइयां बांटीं

शिव आमंत्रण, फरीदाबाद

36वां इंटरनेशनल सूरजकुंड हैंडीक्राफ्ट मेला फरीदाबाद में आयोजित किया गया। इसमें 80 देशों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। ब्रह्माकुमारीज़ के सेक्टर-21डी की ओर से ड्रग डी एडिक्शन पर स्टाल लगाया गया और दवाइयां फ्री में वितरित की गईं। साथ ही आध्यात्मिक प्रदर्शनी भी लगाई

गई। पुलिस कमिश्नर विकास अरोरा ने कहा जहां सारी साधनाएं समाप्त होती हैं वहां ब्रह्माकुमारीज़ से राजयोग की प्राप्तियां शुरू होती हैं और मुझे इस स्टॉल में आकर अति प्रसन्नता हो रही है। डीसीपी नितिन अग्रवाल ने कहा आज मेडिटेशन करने के बाद मुझे बहुत हल्का पन लग रहा है। प्रभारी बीके प्रीति दीदी, ज्योति दीदी, रंजना दीदी, मोनिका दीदी मौजूद रहीं।

शिव आमंत्रण, मुंबई। ब्रह्माकुमारीज़ लाइट हाउस शिवाजी नगर थाने सेवाकेंद्र की ओर बीके सरला बहन ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात कर उन्हें संस्था द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों के बारे में बताया। साथ ही सेवाकेंद्र आने का निमंत्रण दिया। इस दौरान उन्होंने संस्थान की सेवाओं को भी सराहा।

शिव आमंत्रण, रांची- झारखंड। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा श्रीराज काम्प्लेक्स, शिवल मंदिर के पास, नेहरू रोड, रामगढ़ कैंट में शिव जयंती पर झांकी लगाई गई। साथ ही शिव जयंती उत्सव मनाया गया। इस मौके पर सांसद व पूर्व जल संसाधन, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री चंद्रप्रकाश चौधरी, बीके निर्मला दीदी, अधिवक्ता वर्षा श्रीवास्तव ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सभी अतिथियों ने शिव ध्वजा रोहण कर शिव ध्वज के नीचे सदा सभी के प्रति शुभ कामना, शुभ भावना रखने का संकल्प किया। इस दौरान बीके स्वेता सहित बड़ी संख्या में बीके भाई-बहनें मौजूद रहे।

21 दिवसीय योग-तपस्या भट्टी आयोजित

शिव आमंत्रण, जबलपुर-मप्र। ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से महाशिवरात्रि के अवसर पर 21 दिवसीय योग भट्टी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मधुबन से पधारे गीतकार बीके रमेश भाई ने बीके भाई-बहनों को योग तपस्या बढ़ाने, पुरुषार्थ की तीव्र गति देने के लिए मोटिवेट किया। साथ ही पुरुषार्थ बढ़ाने और योग की विभिन्न विधियों से सभी के लिए रूबरू कराया। इस दौरान सेवाकेंद्र प्रभारी बीके विमला दीदी ने कहा कि जब तक हम खुद पर ध्यान नहीं देंगे तो हमारा पुरुषार्थ नहीं बढ़ेगा। हमें खुद की चेकिंग करना होगी कि हम आगे क्यों नहीं बढ़ रहे हैं। ईश्वरीय संविधान की जो मर्यादाएं हैं उनका पालन करना जरूरी है। इसके साथ ही परमात्मा से सर्व संबंधों का रिश्ता बनाएं। उसके प्यार में खो जाएं। उसे अपना बना लें। इस मौके पर समाजसेवी शंकर साहू, मध्यप्रदेश विधुत मंडल के पूर्व डायरेक्टर विजय तिवारी मुख्य रूप से मौजूद रहे।

परमात्म योग के बिना सच्ची शक्ति व शांति नहीं मिल सकती है

महाशिवरात्रि महोत्सव आयोजित

केंद्रीय आयुष मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने युवा स्वास्थ्य, खेल एवं कल्याण अभियान का राष्ट्रीय शुभारंभ किया

शिव आमंत्रण, नई दिल्ली।

दिल्ली, जवाहर लाल नेहरू इंडोर वेटलिफ्टिंग ऑडिटोरियम में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित महाशिवरात्रि महोत्सव में राष्ट्रीय युवा उत्थान कार्यक्रमों का आगाज किया गया। इसमें केंद्रीय आयुष मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने कहा कि आज जो भी सामाजिक दायित्व मुझे मिले हैं, ये सब मां का ही आशीर्वाद है। मां के द्वारा जो भी शिक्षा दी गई, आज तक भी मैं उन शिक्षाओं पर ही खड़ा हूं। प्रकृति भी हमारी मां है। प्रकृति के बगैर प्राणी का महत्व नहीं हो सकता। सिर्फ हमारा जीवन ही सुखी न हो। ब्रह्माकुमारीज़ संस्था मानव समाज को शांति और प्रेम के मार्ग पर ले जाने का श्रेष्ठ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि संस्था ने केवल भारत ही नहीं बल्कि विश्व के सम्पूर्ण मानव समाज को भी जोड़ा है। ब्रह्माकुमारीज़ घृणा, छल, कपट, नफरत और अहम के विष को मानव मात्र के अंदर से निकाल कर सच्ची शिवरात्रि का संदेश दे रही है। शांति केवल सकारात्मक सोच और श्रेष्ठ संस्कारों के द्वारा ही आ सकती है। श्रद्धा और परमात्म योग वा ध्यान के बिना सच्ची शक्ति व शांति नहीं मिल सकती है। सच्ची भगवत प्रेम और निस्वार्थ भावना से ही हम समाज की सर्वांगीण सेवा व विकास कर सकते हैं।

त्रिनिदाद और टोबैगो के उच्चायुक्त डॉ. रोजर गोपाल ने कहा कि जीवन में धैर्य, दया और करुणा जैसे गुणों से ही श्रेष्ठ जीवन का निर्माण होता है। राजदूत रॉजर गोपाल, अतिरिक्त महासचिव बीके बृजमोहन, राजयोगिनी गीता दीदी, राजयोगिनी बीके चक्रधारी दीदी, राजयोगिनी बीके शुक्ला दीदी ने भी विचार व्यक्त किए। मोटिवेशनल वक्ता ब्रह्माकुमारी शिवानी ने देश के युवाओं को आध्यात्मिक मूल्य शिक्षा व राजयोग ध्यान को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया।

भवानीगढ़ (पंजाब)। बालयोगिनी महामंडलेश्वर संत शिरोमणि साध्वी करुणागिरी महाराज को ब्रह्माकुमारी राजेंद्र दीदी ने ईश्वरीय सौगात प्रदान कर सम्मान किया।

जबलपुर में सात दिवसीय गीता ज्ञानयज्ञ आयोजित

शिव आमंत्रण, जबलपुर। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी वर्षा दीदी के मुखार बिंद से सात दिवसीय रामायण, महाभारत, एवं श्रीमद भागवत गीता का सत्य सार गीता ज्ञान यज्ञ आयोजित किया गया। इस मौके पर बीके उषा, बीके भूमि, बीके पूनम, बीके ज्योति, अभिलाष पाण्डे, राकेश तिवारी थाना प्रभारी गढा एवं हरीश ठाकुर ने दीप जलाकर शुभारंभ किया।

शिव शक्ति लीडरशिप इनीशिएटिव का आयोजन

शिव आमंत्रण, जयपुर-राजस्थान। पीस पैलेस श्रीनिवास नगर द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ के अंतर्राष्ट्रीय प्रोजेक्ट शिव शक्ति लीडरशिप इनीशिएटिव के अंतर्गत नारी के चार स्वरूप – अनादि , पारंपरिक , आधुनिक और शक्ति विषय पर महिलाओं के लिए स्नेह मिलन आयोजित किया गया।

डॉ. बीके सुनीता दीदी ने चारों ही अनादि स्वरूप (प्रेम, निर्भयता, स्वतंत्रता, पवित्रता, दैवी स्वरुप) को पुनः प्राप्त करने के लिए अपने पारम्परिक स्वरुप के रूढ़िवाद वृत्तियों से स्वतंत्र, अपने आधुनिक स्वरुप में प्रतिशोध की भावना से मुक्त, अपने आतंरिक आत्मिक शक्ति स्वरुप की स्थिति से स्व परिवर्तन से परिस्थिति पर विजय प्राप्त कर, पुनः अपने खोये हुए अनादि स्वरुप को पाने की, नारी के शक्ति स्वरुप की सुखद आतंरिक यात्रा करवाई। संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके डॉक्टर निर्मला दीदी, आरएएस सीमा शर्मा, विप्र कल्याण बोर्ड की उपाध्यक्ष मंजू शर्मा, भवानी निकेतन ग्रुप ऑफ स्कूल एंड कॉलेज की प्राचार्य मनीषा सिंह सहित अन्य महिलाएं मौजूद रहीं।

सूचना के लिए संपर्क करें

सामाजिक सेवाओं तथा आंतरिक सशक्तिकरण के प्रयास के साथ निकाला गया मासिक **शिव आमंत्रण समाचार पत्र** एक संपूर्ण अखबार है। इसमें आप सभी पाठकों का लगातार सहयोग मिल रहा है, यही हमारी ताकत है।
वार्षिक मूल्य 150 रुपए, **तीन वर्ष** 450 रुपए

पत्र व्यवहार का पता

संपादक ब्र.कु. कोमल
ब्रह्माकुमारीज़, शिव आमंत्रण ऑफिस, शांतिवन, आबू रोड, जिला-सिरोही, राजस्थान, पिन कोड- 307510
मो 9414172596, 9413384884
Email shivamantran@bkivv.org

नई राहें

बीके पुष्पेन्द्र
संयुक्त संपादक, शिव आमंत्रण

पवित्रता का रंग, खुशियों के संग

स्थान, वस्तु, व्यक्ति और विचार किसी भी रूप में हो पवित्रता सभी को भाती है। क्योंकि आत्मा का मूल संस्कार, दिव्यगुण युक्त और प्रकृति पवित्र स्वरूप है। सृष्टि के आरंभ में इसका स्वरूप स्वाभाविक रूप से पवित्र था। हर चीज सौ फीसदी खरी और शुद्ध। आज सृष्टि में चारों ओर अपवित्रता, आसुरीयता और अति की पराकाष्ठा से हर चीज गुजर रही है। आत्मा जो स्वर्णिम काल में सौ फीसदी खरी, सत्वगुण से युक्त और सतोप्रधान थी, उसे आज अपवित्रता के आवरण ने इस तरह ढक लिया है कि अपना मूल संस्कार, पवित्र स्वरूप स्मृति पटल से विस्मृत हो गया है। ऐसे में समय में आत्मा को फिर से पवित्रता के रंग में रंगने, पवित्रता के सागर परमात्मा परमधाम से पधारकर पवित्रता की गंगा में डुबकी लगवा रहे हैं। परमात्मा ने गीता में स्पष्ट कहा है कि जब-जब इस धरा पर अपवित्रता की आंधी अपने चरम पर होती है, तब-तब मैं फिर से पवित्र दुनिया की स्थापना करने, आत्मा को पवित्रता की राह दिखाने अवतरित होता हूं। दुनिया को अब तक किसी चीज ने बांधे रखा है तो वह है पवित्रता का बल।

पवित्रता दुनिया का सबसे बड़ा बल-

वर्तमान में यह वही समय चल रहा कि जब हमें इस यथार्थ सत्य को अंतस से स्वीकार कर खुद के पवित्र स्वरूप में टिकने की जरूरत है। क्योंकि पवित्रता ही दुनिया की वह शक्ति है जिसके बल से इस अपवित्र दुनिया को फिर से पवित्र, पावन, सतयुगी दुनिया बनाया जा सकता है। दुनिया में यदि ऋषि-मुनि, संत-महात्माओं को गायन- सम्मान योग्य और उनके आचरण को धारण करने योग्य समझा जाता है तो उसके पीछे मूल भाव उनके जीवन का पवित्रमय होना है। पवित्रता दुनिया सबसे बड़ा बल, पूंजी और शक्ति है।

राजयोग की शिक्षा ही एकमात्र उपाय-

मनुष्य आत्माओं को फिर से पवित्रता के रंग में रंगने परमात्मा का यही संदेश है कि हे! आत्माओं मुझसे योग लगाओ तो मैं तुम्हें जन्मोंजन्म के लिए पवित्र दुनिया का मालिक बना दूंगा। सृष्टि परिवर्तन के इस संधि काल में भी यदि हमने इस यथार्थ सत्य को नहीं स्वीकारा, परमात्मा की इस शिक्षा को शिरोधार्य नहीं किया तो फिर पूरे कल्प के लिए उस परम पवित्र दुनिया के साक्षी बनने से वंचित रह जाएंगे। क्योंकि पूरे कल्प में एक ही बार परमसत्ता, सर्वोच्च सत्ता का अवतरण होता है। परमात्मा के इस आह्वान, सत्य ज्ञान को आज लाखों लोगों ने दिल से स्वीकारा है, उनकी श्रीमत को शिरोधार्य कर जीवन को पवित्रमय बनाकर संयम पथ पर बढ़ते जा रहे हैं। राजयोग की शिक्षा ही आत्मा के पवित्र स्वरूप को फिर से जागृत करने, आत्मा पर लगी विषय-विकारों की जंक को साफ करने और फिर से पावन बनाने का एकमात्र रास्ता और उपाय है।

खुशियों के संग...

जब जीवन में स्थायित्व आ जाता है। सत्य ज्ञान से हमारा परिचय हो जाता है तो फिर आत्मा और मन खुशी से भर जाता है। क्योंकि जिसने भी परमात्मा की दिव्य अनुभूति कर ली उसे फिर कुछ पाने के लिए शेष नहीं रह जाता है। परमात्मा कहते हैं मेरे बच्चों जीवन में सबकुछ चला जाए लेकिन खुशी न जाए। खुशी आत्मा का गहना, श्रृंगार और शोभा है। आपका खुशनुमा जीवन अनेकों के लिए प्रेरणा दिलाता है। उन्हें प्रभु से जोड़ने के लिए लालायित और उत्साहित करता है। खुशी संतुष्टता की निशानी है और प्रभु से मिला वरदान है। जीवन का आधार और कर्म-धर्म का सार खुशी ही है। खुशी की गोली खाओ, जीवन को आनंदमय बनाओ।

मैं आत्मा, परमात्मा की होली....

होली अर्थात् पवित्र। होली का त्योहार अपने आप में कई महान आध्यात्मिक रहस्यों को समेटे हुए है। जो हमें संदेश देता है कि दुनिया में सबसे प्यारा, गहरा और स्थायी रंग है तो वह है परमात्म प्रेम का रंग। इस रंग में जो आत्मा एक बार रंग कर सराबोर हो जाती है तो उसका जीवन रंगमय, खुशनुमा बन जाता है। खुशी, उमंग-उत्साह, उल्लास का प्रतीक होते हैं। इस होली पर एक संकल्प हमारा हो कि आपस में बैर, बुराई, गले-शिकवे भुलाकर, मन के मैल को खुशी के रंग से धो डालते हैं। यह रंग पर्व आपके जीवन में नई उमंग, नव उत्साह और नव साहस लेकर आए और जीवन को खुश रंग बनाए। इस बार होलिका दहन के साथ जीवन में कांटों के समान चुभने वाली बातें, गलत आदतें और संस्कारों को स्वाहा कर उन्हें सदा के लिए तिलांजली दे दें। क्योंकि आपके जीवन को नव प्रकाश से भरने उसे खुशियों के रंग में रंगने परमात्मा नवदुनिया की सौगात लेकर आए हैं और यही संदेश दे रहे हैं **अब घर चलना है....**

जल जन अभियान का प्रधानमंत्री ने किया वर्चुअली शुभारंभ

जल जन अभियान से जल संरक्षण की दिशा में नई ताकत मिलेगी: पीएम

ब्रह्माकुमारीज़ और भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय द्वारा चलाया जाएगा अभियान

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

ब्रह्माकुमारीज़ और भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय द्वारा जलाए जा रहे जल जन अभियान का वर्चुअली शुभारंभ करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जल जन अभियान ऐसे समय में शुरू हो रहा है जब पानी की कमी को पूरे विश्व में जल संकट के रूप में देखा जा रहा है। जल संकट को पूरी दुनिया गंभीरता से समझ रही है। वॉटर सिक्योरिटी हमारे लिए सबसे बड़ा दायित्व है। जल रहेगा तभी कल रहेगा। इसके लिए हमें मिलकर आज से ही प्रयास करना होंगे। ब्रह्माकुमारीज के इस जल जन अभियान और भागीदारी के प्रयास से नई ताकत मिलेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारे यहां कहा गया है मां आपो हिंसी अर्थात् हम जल को नष्ट न करें। उसका संरक्षण करें। यह भावना हमारे यहां वर्षों से आध्यात्म और धर्म का हिस्सा है। इसलिए हम जल को देव की संज्ञा देते हैं और प्रकृति को मां मानते हैं। आज हम भविष्य की चुनौतियों के समाधान खोज रहे हैं तो हमें अतीत की उस चेतना को भी पुनः जागृत करना होगा। हमें देशवासियों में जल संरक्षण के मूल्यों के प्रति फिर से वैसी ही आस्था पैदा करना होगी। हमें उस विकृति को भी दूर करना होगा जो जल प्रदूषण कारण बनती है। इस कार्य में ब्रह्माकुमारीज सहित अन्य आध्यात्मिक संस्थाओं की बड़ी भूमिका है। देश के प्रत्येक जिले में 75 अमृत सरोवर का निर्माण जल संरक्षण की दिशा में बड़ा कदम है। हमारे देश में जल जैसे कार्य का नेतृत्व माताओं के हाथों में रहा है। इस दिशा में अब ब्रह्माकुमारी बहनों भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रही हैं।

नमामि गंगे मिशन बना मॉडल

मोदी ने कहा कि बीते वर्षों में ऐसी नकारात्मक सोच बन गई थी कि हम जल संरक्षण जैसे बड़े कार्य को कर ही नहीं सकते हैं। आज न केवल गंगा साफ हो रही है बल्कि उसकी सहायक नदियां भी साफ हो रही हैं। नमामि गंगे अभियान मॉडल बनकर उभर रहा है। जल प्रदूषण की तरह गिरता भूजलस्तर भी गंभीर विषय है। ब्रह्माकुमारी बहनों से आह्वान किया कि आप ज्यादा से ज्यादा किसानों को जल संरक्षण के लिए जागरूक करें। भारत की पहल को पूरा विश्व इंटरनेशनल मिलिट्स ईयर भी मना रहा है।

दस हजार लोगों ने ली जल संरक्षण की शपथ

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, अभिनेता नाना पाटेकर, मेवाड़ से महाराज कुमार लक्ष्यराज सिंह रहे मौजूद

08 माह तक देशभर में चलाया जाएगा जल जन अभियान

10 हजार कार्यक्रम करने का रखा लक्ष्य

5000 जलाशय, कुंआ, बावड़ी के संरक्षण का लक्ष्य

10 लाख भाई-बहनें बनेंगे अभियान के सारथी

10 करोड़ लोगों तक जागरूकता संदेश पहुंचाने का लक्ष्य

50 हजार गीतापाठशालाओं को भी जोड़ेंगे

हमें आबादी बढ़ने से रोकना होगा : पाटेकर

पद्मश्री प्रसिद्ध अभिनेता नाना पाटेकर ने कहा कि मैं आज गांव में रहता हूं लेकिन जब शहर जाना होता है तो मेरा दम घुटने लगता है। हमें आबादी बढ़ने से रोकना होगा, क्योंकि हमारे पास संसाधन सीमित हैं। पानी के बिना जीवन अधूरा है। जो चीज हमारे पास नहीं है उसकी कीमत नहीं है। वेंटीलेटर पर दो दिन रहो तो हम सात लाख का बिल भर देते हैं लेकिन हवा, पानी जो हमें भगवान ने फ्री में दिया है उसकी हम वैल्यु नहीं कर रहे हैं। भगवान जैसे लोग मुझे जिंदगी में मिले हैं जिनके संपर्क में आने से हमारे पास कई बदलाव आ गए। उन्होंने अपने जीवन का अनुभव बताते हुए कहा कि मैं जिंदगीभर गांव का ही व्यक्ति रहा और मुझे इसी में ही सुकून मिलता है। ब्रह्माकुमारीज़ के लिए कहा कि आप हमें अपना समझिए। संस्थान बहुत ही अच्छा कार्य कर रही है। अपने स्तर पर जो कुछ भी बन पड़ेगा मैं जल संरक्षण की दिशा में कार्य करूंगा। आठ साल पूर्व हमने नाम फाउंडेशन के नाम से जल संरक्षण की दिशा में काम शुरु किया था।

देश को 800 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी की जरूरत

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि हम बारिश के पानी से मात्र 300 मिलियन क्यूबिक मीटर ही रोक पा रहे हैं। वर्तमान में देश में 750-800 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी की आवश्यकता है। पचास साल पहले हमारे देश में प्रत्येक व्यक्ति के लिए पांच हजार क्यूबिक मीटर पानी उपयोग के लिए उपलब्ध रहता था जो आज घटकर 1500 क्यूबिक मीटर रह गया है। दुनिया में जिस देश में जल को जगदीश मानने की परंपरा थी। दुर्भाग्य से आज उस देश भारत में ही सबसे ज्यादा कंटेमिनेटेड वाटर रिसोर्सेस हैं। दुनिया के वैज्ञानिक जो पर्यावरण पर बात करते हैं, चिंता करते हैं आज वह सबसे ज्यादा डरे और सहमे हुए हैं। दुनिया में जितना पीने योग्य पानी है उसका चार फीसदी पानी भारत में है और दुनिया की 18 फीसदी आबादी है।

हम अमेरिका और चीन के बराबर जमीन से पानी निकालते हैं

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि जितना पानी अमेरिका और चीन जमीन से निकालते हैं उतना हम अकेले निकालते हैं। दुनिया में सबसे ज्यादा भारत 240 बिलियन क्यूबिक मीटर पानी इन्वेस्टमेंट कर रहा है। दुनिया में सबसे ज्यादा भारत पानी को लेकर इन्वेस्टमेंट कर रहा है। विश्व में हमारे नमामि गंगे भारत मिशन को दुनिया का टॉप रिस्टोरेज वाटर मिशन माना है। जर्मनी को जिस लक्ष्य को प्राप्त करने में 29 साल लगे उसे हमने सात साल में पूरा कर दिया। गंगा नहीं के किनारे बसे चार हजार गांव और लोगों को जोड़ा जा रहा है। हम उस परंपरा से आते हैं जहां हमारे लिए जिसने भी दिया उसे देवता मानने का विधान ऋषि-मुनियों ने किया है। इसलिए हमें पेड़-पौधों, नदियों की पूजा करते हैं।

मोदी ने दादियों के साथ के अनुभव को सांझा किया

प्रधानमंत्री मोदी ने संस्थान के साथ अपने पुराने अनुभवों को याद करते हुए कहा कि आप सबके बीच आना, सीखना, समझना हमेशा से मेरे लिए एक सुखद अनुभव रहा है। स्वर्गीय राजयोगिनी दादी जानकी से मिला आशीर्वाद मेरे लिए बहुत बड़ी पूंजी है। 2007 में दादी प्रकाशमणि के ब्रह्मलोक गमन पर माउंट आबू आने का मौका मिला था। 2011 में अहमदाबाद में फ्यूचर ऑफ पॉवर कार्यक्रम में शामिल हुआ। 2017 में संस्था का 80 वर्ष होने पर कार्यक्रम हो या पिछले साल अमृत महोत्सव कार्यक्रम में जुड़ना मेरे लिए अभिभूत करता है।

हम सभी को एक होने की जरूरत है

उदयपुर से आए मेवाड़ के महाराज कुमार लक्ष्यराज सिंह आलोचना करने वालों के कभी भी स्मारक नहीं बने। स्मारक उनके बने हैं जिन्होंने कुछ काम किया है। हमारे पूर्वजों ने जल संरक्षण के लिए कई उपाय किए। 21वीं शताब्दी हिंदुस्तान की होगी। उसका रास्ता इसी सोच से गुजरता है। ब्रह्माकुमारीज़ और जलशक्ति मंत्रालय जो काम कर रहा है वह दुनिया को बनाने का काम है। हमें विश्व पर राज करना है तो एक होने की जरुरत है।

केवल 0.5 फीसदी पानी उपयोग योग्य है

मुंबई से आए प्रसिद्ध कवि व लेखकर मनोज मुंतशिर शुक्ला ने कहा कि आप जरुरत से ज्यादा पानी का उपयोग कर रहे हैं तो यकीन मानिए आप किसी के हिस्से के पानी को बहा रहे हैं। पूरे संसार को पेयजल योग्य मात्र 0.5 फीसदी पानी ही उपलब्ध है। हमें फौजी बन पानी बचाने के लिए लड़ना होगा। पानी खत्म होगा तो जिंदगानी खत्म होना तय है।

- कार्यकारी सचिव बीके डॉ. मृत्युंजय भाई ने स्वागत भाषण दिया। इस दौरान मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके जयंती दीदी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका बीके मुन्नी दीदी, बीके सुषमा दीदी भी विशेष रुप से मौजूद रहीं।

क्या है जल-जन अभियान-

मनुष्य और मनुष्यता को बचाने के लिए भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय और ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के द्वारा संयुक्त रुप से संचालित जल-जन अभियान, जल संरक्षण की दिशा में एक सकारात्मक पहल है। लोगों में जल एवं प्रकृति के संरक्षण के प्रति सामूहिक चेतना का निर्माण करके ही जल संरक्षण के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। इसी लक्ष्य को लेकर इस अभियान की योजना बनाई गई है। इस दौरान राजस्थान के प्रदेशभर से पहुंचे दस हजार लोगों ने जल संरक्षण की शपथ ली। मंच संचालन जयपुर की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके चंद्रकला ने किया।

▪ RNI No.: RAJHIN/2013/53539, Postal Regd. No. RJ/SRO/9662/2021-23. Posting at Shantivan- 307510 (Abu Road)
Licensed to Post without pre-payment No. RJ/WR/WPP/18/2021-23, Posting on 17 to 20 of Each Month, Published on 14 Feb 2023
▪ स्वामी: राजयोगा एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन ▪ प्रकाशक, संपादक व मुद्रक : ब्र.कु. कोमल द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, टोंक रोड, जयपुर से मुद्रित एवं शिव आमंत्रण, ब्रह्माकुमारीज़ शांतिवन, आबू रोड, राजस्थान से प्रकाशित ▪ संयुक्त संपादक: ब्र.कु. पुष्पेन्द्र